



तेज रफ्तार कार ने दो भाइयों को कुचला, एक की मौत, दूसरा गंभीर

रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे दोनों भाई

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के घमंडपुर में रविवार सुबह तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर दो चचेरे भाइयों को कुचलते हुए एक वेडिंग प्वाइंट की दीवार तोड़कर भीतर जा चुसी। हादसे में 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसका 12 वर्षीय चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को बेस चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद देहरादून रेफर किया गया। मामले में स्वजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। रविवार सुबह दुर्गापुरी निवासी वंश (10) पुत्र संदीप कुमार अपने चचेरे भाई लक्ष्य (12) पुत्र प्रदीप कुमार के साथ मॉर्निंग वॉक के लिए निकला था। दोनों घमंडपुर क्षेत्र में जिगर गार्डन वेडिंग प्वाइंट के समीप से गुजर रहे थे। इसी दौरान



कोटद्वार के घमंडपुर में बच्चों को कुचलने के बाद दीवार तोड़कर वेडिंग प्वाइंट के भीतर घुसी कार।

चालक को पकड़ लिया और पुलिस व 108 एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में 108 और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार के नीचे दबे दोनों बच्चों को बाहर निकालकर राजकीय बेस चिकित्सालय पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने वंश को मृत घोषित कर दिया। वहीं लक्ष्य की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद देहरादून रेफर कर दिया गया। वंश अपने माता पिता का इकलौती संतान था। बेटे की मौत के बाद स्वजनों में कोहरेम मचा हुआ है। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि बच्चों के दादा मनोहर चौहान की तहरीर के आधार पर बेलाहाट (पदमपुर) निवासी अभिषेक रावत के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। दुर्घटना में शामिल कार को भी सीज कर दिया गया है।

यमुना पुल पर डंपर से टकराई कार, तीन युवकों की मौत

देहरादून। यमुना पुल पर देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार आगे चल रहे डंपर से पीछे से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार तुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार युवक अंदर फंस गए पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे अनिल चौहान अपनी कार से यमुना पुल से गुजर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पुल पर एक क्षतिग्रस्त कार दिखाई दी। कार की पहचान लहड़22ए-9005 के रूप में हुई, जो तरसेम नेगी के नाम बताई गई। अनिल चौहान ने नीचे उतरकर देखा तो कार की ड्राइविंग सीट पर तरसेम नेगी, कंडक्टर सीट पर अमित और पिछली सीट पर सोनू सिवाच घायल अवस्था में पड़े थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस और



देहरादून। यमुना पुल पर देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई।

एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सोनू सिवाच को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कार में फंसे तरसेम नेगी और अमित को पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से कार की अगली दोनों खिड़कियां खोलकर बाहर निकाला। तीनों घायलों को उपचार के लिए पांचटा साहिब अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया पुलिस ने अनिल चौहान के बयान के आधार पर एक संख्या 209/26, दिनांक 4 अक्टूबर 2026 के तहत थाना पांचटा साहिब में धारा 281, 125(अ) और 106 इतर के तहत मामला दर्ज किया है प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कार तेज रफ्तार में अपने आगे चल रहे डंपर से पीछे से टकराई थी। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त

समाचार

डीएमके ने छोड़ा साथ तो तमिलनाडु में कांग्रेस को मिला नया साथी

इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके ने शनिवार को इंडिया गठबंधन में औपचारिक रूप से शामिल होने की प्रक्रिया पूरी की। पार्टी के दो मंत्रियों ने चेन्नई में कांग्रेस मुख्यालय, सत्यमूर्ति भवन में गठबंधन की बैठक में हिस्सा लिया। दो घंटे चली इस बैठक में टीवीके के महासचिव और



मंत्री आदव अर्जुन और वित्त मंत्री मैरी विल्सन ने पार्टी का प्रतिनिधित्व किया। इस साल तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के बाद डीएमके ने इंडिया गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। गठबंधन ने एसआईआर के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जिला स्तरीय प्रदर्शन करने का फैसला किया था। तमिलनाडु कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष मणिमकम टैगोर ने कहा, टीवीके इंडिया गठबंधन में शामिल हो गई है। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि बैठक में विजय के इस फैसले का स्वागत करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया।

फिर घर-घर जाएंगे बीएलओ होगा एसआईआर सत्यापन

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक काम में लगाने से बड़ी नाराजगी

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत एक बार फिर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर सत्यापन का काम करना पड़ सकता है। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और मौजूदा सूची का मिलान करने के बाद छूटे मतदाताओं की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद बीएलओ संबंधित लोगों के घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति का सत्यापन करेंगे। इस काम में स्कूल शिक्षकों को फिर बीएलओ के



रूप में लगाने की आशंका से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। शिक्षकों का कहना है कि पिछले वर्ष नवंबर से एसआईआर का काम शुरू होने के बाद से ही कई स्तर पर पढ़ाई प्रभावित हुई। इसके बाद 2026 की शुरुआत में उच्च माध्यमिक परीक्षा और फिर विधानसभा चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शिक्षकों को दी गई। अब एसआईआर का काम पूरा होने के बाद जनगणना संबंधी जिम्मेदारी और फिर बीएलओ का काम मिलने की आशंका है। शिक्षकों का कहना है कि दुर्गापूजा की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलते ही विभिन्न कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होंगी।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भारतीय पायलट से की बात

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मशाल जलाने का दिया न्योता

स्मित बोले-हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईडुबई एयरलाइन्स के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया।



घायल होने के बावजूद बहादुरी से किया संघर्ष

कॉकपिट के फर्श पर खून से लथपथ पड़े कैप्टन स्मित को तेज हवाओं की आवाजें और यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने खुद से कहा कि अगर वे इस आखिरी वक्त में हिम्मत नहीं जुटा पाए, तो उनकी और विमान में मौजूद सभी लोगों की जान चली जाएगी। बची हुई पूरी ताकत झोंकर वे उठे, हर बाधा से लड़ते हुए दरवाजे तक पहुंचे और उसे खोल दिया। बाहर केबिन कू और यात्री पहले से मुस्तेद थे, जो तुरंत कॉकपिट में घुसे और हमलावर को काबू में कर लिया।



इमरजेंसी कुल्हाड़ी से सिर पर लगातार वार

कैप्टन स्मित ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि विमान में कोई बहुत बड़ी तकनीकी खराबी या बड़ा नुकसान हुआ है। लेकिन इसके तुरंत बाद उनके सिर पर लगातार कई और जोरदार वार किए गए, तब उन्हें समझ आया कि विमान की खराबी नहीं बल्कि कॉकपिट में मौजूद दूसरा पायलट ही हमला कर रहा है। शुरुआती हमलों के कारण उनकी आंखों के आगे अंधेरा छा गया और सब कुछ धुंधला दिखाई देने लगा। इसी दौरान उन्हें अहसास हुआ कि विमान बहुत तेजी से सीधे नीचे की तरफ गिर रहा है। उन्होंने एक बार कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन हमलावर ने उसे तुरंत दोबारा बंद कर दिया।

‘नीट’ मामले में सीबीआई की फाइनल चार्जशीट जल्द

एनटीए अधिकारियों का नाम नहीं होगा शामिल, 13 निजी व्यक्ति हैं आरोपी



नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन एक हफ्ते के अंदर नेशनल एलिजबिलिटी कम एट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 पेपर लीक मामले में अपनी दूसरी और आखिरी चार्जशीट दाखिल करने वाली है लेकिन इसमें केंद्र सरकार या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के किसी अधिकारी को आरोपी बनाए जाने की संभावना नहीं है।

रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि सीबीआई की जांच में सिर्फ 13 लोगों की भूमिका का पता चल पाया है, जिनमें एनटीए के नियुक्त विषय विशेषज्ञ, कोचिंग सेंटर चलाने वाले, बिचोलिए और

उम्मीदवार शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा, एजेंसी अपनी आखिरी चार्जशीट में किसी भी सरकारी अधिकारी जिसमें एनटीए के पदाधिकारी भी शामिल हैं को आरोपी नहीं बनाएगी। पेपर लीक से जुड़े हालात की जांच में ग्राइवेट लोगों के अलावा किसी और की भूमिका साबित नहीं हुई। एक दूसरे अधिकारी ने कहा, इसके साथ ही नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की हमारी जांच पूरी हो जाएगी। 3 मई को परीक्षा और 21 जून को दोबारा परीक्षा देने वाले शशांक मौर्य ने कहा, एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना नीट का पेपर लीक नहीं हो सकता था।

सीबीआई की चार्जशीट में 13 आरोपियों के नाम शामिल

पेपर लीक मामले में पहली चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई, जिसमें 13 आरोपियों के नाम शामिल हैं। इनमें एनटीए द्वारा रिपोर्ट की गई विषय विशेषज्ञ भी हैं बॉटनी और जूलॉजी के लिए मनीषा गुरुनाथ मंधारे, केमिस्ट्री के लिए प्रह्लाद विट्टलराव कुलकर्णी और फिजिक्स के लिए मनीषा संजय हवलदार। सीबीआई ने तब कहा था कि उसने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, गवर्नमेंट एग्जामिनर ऑफ व्हेचल-ड डॉक्यूमेंट्स और दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स की राय वाली रिपोर्ट जमा करने के लिए दूसरे साजिशकर्ताओं की भूमिका की जांच खुली रखी थी। इसके बाद एजेंसी ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर कोहिंग सेंट्रों के जरिए पेपर लीक का फायदा उठाने का आरोप है। एक अधिकारी ने कहा, इन तीनों लोगों की भूमिका और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की जांच के नतीजे, अंतिम चार्जशीट में विस्तार से बताए जाएंगे, जिसे हम एक हफ्ते के अंदर दाखिल करेंगे। यह पता लगाने के लिए गहन जांच की गई कि क्या इस लीक में एनटीए का कोई अधिकारी या कोई अन्य सरकारी अधिकारी शामिल था, लेकिन ऐसी कोई संलिप्तता नहीं पाई गई।

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

रूस ने ड्रेन से निशाना बनाया, 1

की मौत, 400 करोड़ का नुकसान

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन के सूभी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रेन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्भव-राज ठाकरे का हल्लाबोल

मुंबई में किया प्रदर्शन, बोले-सीईसी बीजेपी का हथियार हैं

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्भव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में

इस्तीफा मांगा, सीईसी के खिलाफ तीन दिन में तीन प्रदर्शन

हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्भव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का



आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, आयोग को नहीं।

यहां तानाशाह को उखाड़ फेंकने के लिए आए हैं

उद्भव ठाकरे ने आगे कहा कि हम सभी आज यहां पर तानाशाह को ही उखाड़ फेंकने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में 13 करोड़ लोगों के नाम वोट लिस्ट से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी वोटर्स को बाहर किया गया है। बंगाल में अभी भी उपचुनाव चल रहा है और लोगों ने वोट देने का अधिकार पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस दौरान उद्भव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमिशनरों के अपॉइंटमेंट पर मेरे मन में सवाल है। इलेक्शन कमीशनरों को इलेक्शन के जरिए अपॉइंट किया जाना चाहिए। पहले एक कमेट्री थी जिसमें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, प्राइम मिनिस्टर और लीडर ऑफ द ओपोजिशन होते थे, लेकिन उन्होंने (केंद्र सरकार) चीफ जस्टिस को इस कमेट्री से हटा दिया गया।

संपादकीय

विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध

मुद्दा है कि बजट क्यों नहीं है? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बात कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। मासिक स्ट्राइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल (एमबीबीएस) इंटरर्स पर भोपाल में वॉटर कैनन चलाया गया। पांच साल की महंगी पढ़ाई करने और अनिश्चित घंटों तक काम करने के बाद इन डॉक्टरों को हर महीने फिलहाल 14,337 की वृत्ति मिलती है। इस रकम पर युवा डॉक्टर किस तरह गुजारा चलाते होंगे, इसकी कल्पना की जा सकती है। स्ट्राइपेंड को 30 हजार रुपये करने की मांग को लेकर भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इंटरन मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे, तब पानी की बौछार कर उन्हें तिरर-बितर कर दिया गया। इस घटना के विषय में राज्य के कई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में ओपीडी सहित अन्य सेवाएं प्रभावित हुईं।

उत्तर हरियाणा में करीब 12,000 अतिथि अध्यापक ढाई महीने से भी अधिक समय से कुरुक्षेत्र स्थित सचिवालय के बाहर मोर्चा लगाए हुए हैं। ये शिक्षक त्रैमिक भूख हड़ताल पर हैं। मुख्यमंत्री आवास के घेराव के साथ-साथ विधायकों को ज्ञापन सौंप चुके हैं। यानी जिन शिक्षकों को क्लास में मौजूद रह कर बच्चों का शिक्षण करना चाहिए, वे प्रतिरोध के अलावा-अलग माध्यमों से अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें से अनेक शिक्षक 20 साल से ज्यादा समय से अतिथि रूप में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिन्हें नियमित शिक्षकों की तुलना में लगभग एक तिहाई पारिश्रमिक मिलता है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने नियमित किए जाने की उनकी मांग को जायज माना। लेकिन सरकार इसे टालती चली गई है।ये दोनों आंदोलन देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के मौजूदा हाल की मिसाल हैं। वे वो अहम क्षेत्र हैं, जिन्हें किसी समाज के विकास की बुनियाद समझा जाता है। मगर आज हाल यह है कि सरकारों के पास बजट ना होने का तर्क है। इसलिए ऐसे तमाम महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कामचलाऊ ढंग से चलाने की रस्म-अदायगी सामान्य बात हो गई है। मुद्दा है कि बजट क्यों नहीं है? क्या इसके लिए खुद सरकारी नीतियां जिम्मेदार नहीं हैं? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बातें कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है।

चिंतन-मनन

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटक हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मित्रों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा।

जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब सर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को सर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब हैं और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक हैं। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूँढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियाँ और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।



सनत जैन

जान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन कर दिया। भारत ने प्रतियोगिता में कुल 85 पदक अपने नाम किए, जिनमें 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारत ने पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह भारत ने एशिया के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी। 2023 में भारत ने 28 गोल्ड सहित 106 मेडल जीत कर पहली बार सारी दुनिया को चौंकाया था। 2026 में 2023 का रिकॉर्ड तो भारत नहीं तोड़ पाया लेकिन उसने जो सफलता प्राप्त की है भारत के लिए यह



नीरज कुमार दुबे

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशासकीय को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-ह्लक्षिकों के साथ खड़े रहना: पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना ह्ल यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियाँ, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए।

भारतीय खिलाड़ियों का जापान में श्रेष्ठ प्रदर्शन

अभियान कई मायनों में अति महत्वपूर्ण रहा। अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने न केवल पदक जीते, बल्कि कई मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए भी उम्मीदें बढ़ाई हैं। खास तौर पर निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुरुती में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। एशियन गेम्स में भारत के ख़ाते में कुल 21 स्वर्ण पदक आए। इनमें कई ऐसे मुकाबले रहे, जिनमें भारतीय खिलाड़ियों ने कड़े अंतर्राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। रजत पदकों की संख्या 27 और कांस्य पदकों की संख्या 37 रही। इस तरह भारत ने कुल 85 पदकों के साथ प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय खेलों में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह निशानेबाजी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और कुरुती जैसे खेलों पर ध्यान बढ़ा है, उसका असर एशियन गेम्स के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया है। निशानेबाजी भारत के लिए प्रमुख पदक दिलाने वाले खेलों में शामिल रही। भारतीय निशानेबाजों ने विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण पदक हासिल किए। वहीं तीरंदाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, एकाग्रता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का परिचय दिया।

एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में मिले पदकों ने भारत की पदक तालिका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुरुती में भी भारतीय पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए। एशियन गेम्स 2026 का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला हॉकी टीम का स्वर्ण पदक हासिल करना रहा है। टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता का महत्व इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि इसके साथ भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया। महिला हॉकी टीम को इस उपलब्धि ने भारतीय खेल प्रेमियों के बीच उत्साह पैदा किया और यह साबित किया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। एशियन गेम्स में 85 पदकों के साथ चौथा स्थान भारत के लिए उत्साहजनक परिणाम माना जा सकता है। इस प्रदर्शन से देश के खिलाड़ियों और खेल संघों के सामने अब अगले बड़े अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए और बेहतर तैयारी करने की चुनौती थी है। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि पदक केवल एक-दो खेलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अलग-अलग खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता



दिखाई। 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदकों का यह प्रदर्शन भारतीय खेलों में बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का संकेत देता है। एशियन गेम्स 2026 का भारतीय अभियान इस संदेश के साथ समाप्त हुआ, देश के खिलाड़ी अब एशियाई ही नहीं, बल्कि वैश्विक खेल मंच पर भी बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी



यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है। आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुरस्क्त, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकीशील, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है। महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। ह्दास विद्या या विमुक्तयेह्-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को

अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियाँ दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निर्माता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है। आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं। एआई का उपयोग ज्ञान और सृजन के लिए हो, मानवीय विवेक को समाप्त करने के लिए नहींकू-संतुलन को समझाने की जिम्मेदारी शिक्षक की है। शिक्षक को आज स्वयं भी निरंतर सीखना होगा। जिस गति से तकनीक बदल रही है, उसमें शिक्षक यदि अपने ज्ञान को स्थिर कर लेगा तो विद्यार्थी से पीछे रह जाएगा। इसलिए आज का शिक्षक केवल ह्यगुरुह् नहीं, स्वयं भी आजीवन विद्यार्थी है। यूनेस्को की वर्तमान पहल भी इसी बदलती परिस्थिति में शिक्षक के पेशेवर विकास और समर्थन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। शिक्षक की तुलना एक शिल्पकार से की जा सकती है। शिल्पकार पथ्यर में छिपी प्रतिमा को

देख लेता है और फिर धीरे-धीरे अनावश्यक अंश हटाकर उसे आकार देता है। उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है। किसी में विज्ञान की प्रतिभा होती है, किसी में साहित्य की, किसी में कला की, किसी में नेतृत्व की और किसी में सेवा की। शिक्षक का दायित्व सभी को एक ही सौंच में ढालना नहीं, बल्कि प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्टता को पहचानकर उसे विकसित करना है। नई सृष्टि का निर्माण ईंट-पत्थरों से नहीं, नई चेतना वाले मनुष्यों से होगा। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की कार्य-व्यवस्था को कितना भी बदल दे, मनुष्य की करुणा, नैतिकता, कल्पनाशीलता और उत्तरदायित्व का महत्व बना रहेगा। इसलिए आज शिक्षक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह विद्यार्थी को कितनी जानकारी दे सकता है, बल्कि यह है कि वह विद्यार्थी को कैसा मनुष्य बना सकता है। महा-दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ का विचार था कि व्यक्तित्व-निर्माण अत्यंत कठिन कार्य है और जागरूक, निःस्वार्थ शिक्षक ही दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है। यही शिक्षक की असली तपस्या है। वह प्रतिदिन अनेक जीवनों को स्पर्श करता है और उसे पता भी नहीं होता कि उसकी कही हुई कोई छोटी-सी बात किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकती है। आज विश्व शिक्षक दिवस हमें केवल शिक्षकों को धन्यवाद देने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह आत्ममंथन का भी अवसर है कि हम शिक्षक को वह सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग दे रहे हैं या नहीं, जिसकी उसे आवश्यकता है। 1966 की अनुशंसा के छह दशक बाद भी यूनेस्को इस पेशे की स्थिति को पुनर्विचार का विषय बना रहा है, क्योंकि बदलती दुनिया ने शिक्षक के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। आज शिक्षक के हाथ में केवल चाँक और किताब नहीं, बल्कि आने वाली सभ्यता की दिशा है। वह तय कर सकता है कि एआई से समृद्ध होने वाली दुनिया अधिक मानवीय बनेगी या अधिक यांत्रिक; ज्ञान बढ़ने के साथ विवेक बढ़ेगा या नहीं; तकनीकी प्रगति के साथ करुणा और अहिंसा भी आगे बढ़ेंगी या नहीं। इसलिए 2026 की थीम-ह्लक्षिकों के साथ खड़े रहनाह् दरअसल भविष्य के साथ खड़े रहने का आह्वान है। शिक्षक को सशक्त करना नई पीढ़ी को सशक्त करना है। शिक्षक का सम्मान करना ज्ञान, संस्कार और मानवता का सम्मान करना है। और शिक्षक को उसकी गरिमा लौटाना उस नई सृष्टि की नींव मजबूत करेगा है, जिसमें विज्ञान के साथ संवेदना, बुद्धि के साथ विवेक, शक्ति के साथ करुणा और प्रगति के साथ शांति का सह-अस्तित्व हो। क्योंकि मशीनें भविष्य को तेज बना सकती हैं, लेकिन शिक्षक ही भविष्य को मानवीय बना सकते हैं।

नीरजा भनोट से स्मित मच्छर तक, हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया



राकेश सैन

30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही पलाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा।

कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलवा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है। 30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फलाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजाज फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना। इसके बाद इज़ारायली यात्री यानिव हयून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छर ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इज़ाइली नागरिक थे। विमान को क़ैश करने की कोशिश करने वाला को-पायलट ओमान का निवासी था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छर के साहस को 'अविस्वसनीय' बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें 'हीरो' बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को



लेकर कैप्टन मच्छर और यात्री यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने दरवाजा खोलकर अहम भूमिका निभाई। वैसे इस घटना का आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है परंतु समझा जा रहा है कि अगर दुर्घटना हो जाती तो यह अमेरिका के टिवन टावरों पर हुए आतंक घटना का ही दूसरा रूप होती, संभव है इसके बाद इज़ाईल की भी सैनिक प्रक्रिया होती और दुनिया में शांति व्यवस्था को नया खतरा पैदा हो जाता, जो पहले ही इरान-अमेरिका और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते संकट में चली आ रही है। स्मित मच्छर की बहादुरी ने न केवल पौने दो सौ लोगों का जीवन बचाया बल्कि दुनिया को भी एक बड़े संकट से बचा लिया। 30 सितम्बर को हुई इस घटना ने एक और हिन्दू विरांगना नीरजा भनोट का पुण्य स्मरण करवा दिया है जो इसी तरह



की घटना में शहीद हुई थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा-ए-इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया। 5 सितंबर 1986 की सुबह कराची का जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पैन अमेरिकन वर्ल्ड की फ्लाइट 73 मुंबई से न्यूयॉर्क के सफर पर थी और कराची उसका एक पड़ाव था। विमान में करीब 360 यात्री और 19 क्रू सदस्य मौजूद थे। लेकिन अचानक विमान में चार हथियारबंद आतंकी घुस आए और उन्होंने प्लाइट को हाईजैक कर लिया। उस समय विमान की सीनियर फ्लाइट पर्सर थीं 22 साल की नीरजा भनोट। हालात बेहद खतरनाक थे, लेकिन नीरजा ने धवराने के बजाय तुरंत समझ लिया कि यात्रियों को बचाने के लिए क्या करना जरूरी है। उन्होंने कॉकपिट तक हाईजैक का

संकेत पहुंचाया। इसकी वजह से पायलट और दूसरे कॉकपिट क्रू सदस्य विमान से बाहर निकलने में कामयाब रहे जिससे विमान के उड़ान भरने की संभावना खत्म हो गई और आतंकवादी अंदर फंस गए यात्रियों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की नजर अमेरिकी यात्रियों पर थी। नीरजा ने अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपाने शुरू कर दिए। पासपोर्ट कूड़ेदान में डाल दिए गए, ताकि आतंकवादियों को यह पता न चल सके कि विमान में कौन-कौन से अमेरिकी नागरिक मौजूद हैं। करीब 17 घंटे तक विमान जमीन पर खड़ा रहा। जब विमान की बिजली चली गई, तो स्थिति अचानक और ज्यादा खतरनाक हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अफरा-तफरी के बीच नीरजा ने इमरजेंसी गेट खोल दिया। उनके सामने मौका था कि वह खुद सबसे पहले विमान से बाहर निकल जाएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने यात्रियों को बाहर निकलने में मदद करना शुरू किया। नीरजा ने बच्चों समेत कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसी दौरान वह आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गईं। तीन बच्चों को बचाने की कोशिश करते हुए उन्हें गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई, हालांकि, नीरजा की सूझबूझ और साहस के कारण सैकड़ों यात्री सुरक्षित बच पाए। नीरजा भनोट की बहादुरी को भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सम्मान मिला. भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत शोके चक्र से सम्मानित किया। पाकिस्तान ने भी उनकी बहादुरी को मान्यता देते हुए उन्हें 'तमगा-ए-इंसानियत' से सम्मानित किया। अमेरिका में भी उनकी बहादुरी के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। बाद के वर्षों में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया गया और मुंबई में एक चौक का नाम भी उनके नाम पर रखा गया। आज स्मित मच्छर ने नीरजा भनोट की उसी बहादुरी की पुनः स्मृति करवा दी है और दुनिया हिन्दुओं की शूरवीरता व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

एलिवेटेड मार्ग के लिए आंदोलनकारियों ने खुद संभाली गैँती-फावड़े

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे क्षेत्रवासियों ने अब खुद ही सड़क निर्माण की कमान संभाल ली है। आंदोलन के 259वें दिन रविवार को बड़ी संख्या में लोग सिगड्डी खोत नदी के समीप पहुंचे और गैँती-फावड़े लेकर मार्ग निर्माण में जुट गए। लोगों ने पत्थरों की चिनाई कर पुरता बनाया और मार्ग को समतल करने के साथ ही सड़क के गड्ढों को भरकर आवागमन सुगम किया।

कार सेवा से पहले क्षेत्रवासी धरनास्थल पर एकत्रित हुए। यहां धूप जलाकर भूमिया देवता की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सिद्धबली धाम, बंद्रीविशाल और महावगढ़ महादेव के जयकारे लगाए गए। ह्पएक ही लक्ष्य, एक ही नारा, लालढांग-चिल्लरखाल एलिवेटेड मार्ग बने हमाराह्म के उद्घोष के साथ लोगों ने कार सेवा शुरू की। संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र रावत ने कहा कि 26 वर्ष बीतने के बाद भी सरकारों कोटद्वार, लालढांग और गढ़वाल क्षेत्र के करीब सात से आठ लाख लोगों के लिए सुगम आवागमन की स्थायी व्यवस्था नहीं कर पाई हैं। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण और जनहित को देखते हुए एलिवेटेड मार्ग ही स्थायी समाधान है। संयोजक रविंद्र सौंद ने कहा कि राज्य सरकार को



कोटद्वार के स्टेशन रोड पर स्वयं दुकानें हटाने में जुटे व्यापारी।

नजहित में वन भूमि के हस्तान्तरण की प्रक्रिमा पूरी कर इसे लोक निर्माण विभाग को देना चाहिए। साथ ही एलिवेटेड मार्ग के निर्माण के लिए पर्याप्त बजट

स्वीकृत कर जल्द निर्माण शुरू किया जाना चाहिए। संयोजक मदन नेगी ने कहा कि जिस फॉरेस्ट रोड की बातें जक जा रही है, उस पर सूर्यास्त से सूर्योदय तक अधिकारी, पुष्पा मेहरा, कल्पना कोशी और सीमा बिष्ट सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

आवागमन प्रभावित रहेगा। साथ ही मालवाहक वाहनों के संचालन पर भी प्रतिबंध रहेगा। ऐसे में क्षेत्र की जनता की समस्या का स्थायी समाधान एलिवेटेड मार्ग के निर्माण से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन के लिए एलिवेटेड मार्ग से कम कुछ भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। लालढांग की संयोजक हेमा नेगी ने कहा कि यह क्षेत्र का पौराणिक मार्ग है और लोगों का इससे गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। आर्थिक, सामाजिक और सामरिक दृष्टि से भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 26 वर्ष बाद भी यदि कामचलाऊसड़क का विकल्प दिया जा रहा है तो यह क्षेत्र की जनता के साथ अन्याय है। कार सेवा में प्रवीन थापा, मधुसूदन नेगी, कृपाल गुसाईं, पार्पद भीम सिंह नेगी, क्षत्रिय उद्यान संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह रावत, धीरेंद्र सिंह नेगी, नारायण सिंह, शिवचरण सौंद, नरेंद्र सिंह, राजेश बूडाकोटी, मोहन सिंह नेगी, मदन बिष्ट, हरीश ध्वानी, धर्मवीर नेगी, ध्यान सिंह बिष्ट, बलबीर सिंह नेगी, देवेन्द्र घंडियाल, उमेश रावत, दीपा

योग को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति की मासिक बैठक में योग के विस्तार और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने पर मंथन किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित निश्शुल्क योग कक्षाओं को विस्तार देने और योग, आयुर्वेद व स्वदेशी के प्रचार-प्रसार के लिए अभियान चलाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में बालाजी मंदिर, गुरु राम राय, प्राइड मॉल, टाट परिसर, आर्य समाज मंदिर और गाड़ीघाट स्थित योग कक्षाओं के साधक शामिल हुए। साधकों ने आपस में परिचय करने के साथ संस्था की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। इसके बाद विभिन्न योग कक्षाओं में भजन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। बैठक में नगर के अन्य स्थानों पर निश्शुल्क योग कक्षाएं शुरू करने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही योग और आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूक करने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया।

नियमित और बेहतर ढंग से योग कक्षाओं का संचालन करने के लिए शशि शर्मा, सुशील वर्मा, सुनीता माधेश्वरी, सुनीता ओझा, शशि सिंगुल, रीतिका चौहान, रिसम और रानी को सम्मानित किया गया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि योग की दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर स्वस्थ समाज की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर महेश आनंद कंडवाल, भगवती प्रसाद, सत्यनारायण नौटियाल, डा. रवि नेगी, जितेंद्र काला, चंद्र किशोर अस्वाल, घनश्याला, सुशील चौहान, सुष्पमा घनश्याला, विना रावत समेत अन्य साधक मौजूद रहे।

यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर विशेषज्ञ डॉक्टर नदारद

बड़कोट। यमुनोत्री धाम के मार्ग की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े उठाए गए हैं। चारधाम यात्रा नोडल अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. रमेश आर्य के किए गए निरीक्षण में महानिदेशालय स्तर से तैनात विशेषज्ञ चिकित्सकों के ड्यूटी ज्वानन नहीं करने का मामला सामने आया। बड़कोट और जानकीचट्टी में फिजिशियन एवं ऑर्थोपेडिक चिकित्सकों की तैनाती की गई थी लेकिन निरीक्षण के दौरान संबंधित डॉक्टर अपनी ड्यूटी पर नहीं मिले। इसके अलावा बाहर से तैनात किए जाने वाले मेडिकल ऑफिसर और फार्मसी ऑफिसर के भी उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई। नोडल अधिकारी ने यमुनोत्री यात्रा मार्ग के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और बढ़ती तीर्थयात्रा को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बड़कोट अस्पताल में डॉ. अंगद राणा, खराड़ी में डॉ. अनुष्का गुलेरिया, राना में डॉ. पवन कशैठ और जानकीचट्टी में डॉ. अखिल राणा यात्रियों को



स्वास्थ्य सेवाएं देते मिले।

यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने 23 सितंबर को स्वास्थ्य सचिव को पत्र भेजकर यात्रा के तहत तैनात फिजिशियन और ऑर्थोपेडिक चिकित्सकों के ड्यूटी से नदारद रहने का मामला उठाया था। अब नोडल अधिकारी के निरीक्षण में भी विशेषज्ञ चिकित्सकों के ड्यूटी ज्वानन न करने की जानकारी सामने आने से तैनाती और मॉनिटरिंग व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शीतकालीन यात्रा को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने की मांग

बड़कोट। शीतकालीन चारधाम यात्रा को केवल धार्मिक गतिविधि तक सीमित रखने के बजाय इसे गांवों की अर्थव्यवस्था और रोजगार को जोड़ने की मांग उठी है। चारधाम होटल एसोसिएशन ने गढ़वाल आयुक्त को आठ सूत्री शापन सौंपकर शीतकालीन गद्दीस्थलों को ग्रामीण तीर्थोत्न केंद्र के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया है।यमुनोत्री क्षेत्र में विकासनगर के कट्टापत्थर स्थित आरटीओ चेकपोस्ट व्यवस्था समाप्त करने व जानकीचट्टी-यमुनोत्री पैदल मार्ग की खराब स्थिति को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की मांग की गई। खरसाली में स्वास्थ्य, शौचालय, विद्युत और पेयजल सुविधाओं को मजबूत करने के साथ मुखबा-जंगला मोटर मार्ग का निर्माण जल्द पूरा करने और मुखबा में हेलिपैड बनाने की मांग रखी गई। पांडुकेश्वर के योगध्यान मंदिर की क्षतिग्रस्त एप्रोच रोड के सुदृढ़ीकरण का मुद्दा भी उठाया गया।यमुनोघाटी होटल एसोसिएशन अध्यक्ष सोबन सिंह राणा ने बताया कि गत दिवस गढ़वाल आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में जापन सीपा गया। उनका कहना है कि शीतकालीन यात्रा को विस्तार मिलने से स्थानीय कारोबार और रोजगार बढ़ने के साथ पलायन पर भी अंकुश लगाया जा सकता है।

चुफलागाड पर बनी अस्थायी पुलिया

नंदानगर। चुफलागाड पर एक साल पहले आपदा में बहे लाल पुल के स्थान पर आखिरकार दोबार अस्थायी पुलिया का निर्माण कर दिया गया है। इससे बस स्टेशन से पुराने बाजार तक आवाजाही करने वाले लोगों को राहत मिली है। बीते वर्ष 17 सितंबर को आई आपदा में अंग्रेजों के जमाने में बना लोहे का पुल बह गया था। इसे स्थानीय लोग लाल पुल के नाम से जानते थे। पुल बटने के बाद बस स्टेशन से पुराने बाजार जाने वाला यह मुख्य मार्ग बंद हो गया था। लोगों की आवाजाही के लिए करीब दो किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही थी। बाद में यहां बनाई गई अस्थायी पुलिया इस वर्ष बरसात में बह गई थी। नगर पंचायत अध्यक्ष बीना रौतैला ने बताया कि लोगों की आवाजाही सुचारु करने के लिए पंचायत की ओर से अस्थायी पुलिया का निर्माण कराया गया है। पुलिया बनने से लोगों की बाजार आने-जाने की सुविधा आसान हो गई है। व्यापार संघ अध्यक्ष नंदन सिंह रावत का कहना है कि एक वर्ष बीत जाने के बाद भी यहां स्थायी पुल का निर्माण नहीं हो पाया है जिससे लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

टीईटी की अनिवार्यता का विरोध किया

कर्णप्रयाग। रविवार को जीआईसी में राजकीय शिक्षक संघ चमोली की बैठक जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एलटी संवर्ग के शिक्षकों की टीईटी अनिवार्यता का विरोध किया गया। वर्ष 2014 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने, प्रवक्ता और प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों पर नियुक्ति करने, शिक्षकों की दुर्गम-सुगम की सेवाओं को पोर्टल पर प्रदर्शित करने आदि समस्याओं के निराकरण आदि विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में संघ के मंत्री बीरेंद्र सिंह नेगी, संगठन मंत्री बलवंत सिंह बिष्ट, कल्पना बेन गौतम, अतीश चंद्र खंडूड़ी आदि ने विचार व्यक्त किए।

वीकेंट पर छावनी लैसडौन में जान ने बढ़ाई परेशानी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: पर्यटन नगरी लैसडाउन में वीकेंट पर पर्यटकों की बड़ी आवाजाही के बीच यातायात व्यवस्था एक बार फिर पटरी से उतरती नजर आई। चर्च रोड, भुल्ला ताल और सुबदार मोहल्ला क्षेत्र में लगे लंबे जाम के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जाम के कारण स्थानीय लोगों के साथ-साथ स्कूल से आने-जाने वाले बच्चों का मामला उठाया था। अब नोडल अधिकारी के निरीक्षण में भी विशेषज्ञ चिकित्सकों के ड्यूटी ज्वानन न करने की जानकारी सामने आने से तैनाती और मॉनिटरिंग व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

70 नाली भूमि पर उगी मांग की खेती नष्ट की

कर्णप्रयाग। देवाल के रामपुर तोक में 70 नाली भूमि पर की जा रही अवैध भांग की खेती को पुलिस ने चिह्नित कर उसे नष्ट किया। पुलिस टीम की ओर से आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने ग्रामीणों को स्पष्ट रूप से हदियात दी कि अवैध रूप से भांग की खेती करना कानूनन अपराध है। ऐसा करते पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निदेशन में चमोली पुलिस की ओर से नशे के कारोबार एवं नशीले पदार्थों की खेती के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी ऋम में एसओजी चमोली, चौकी देवाल, समाज कल्याण विभाग, विधिक सेवा प्राधिकरण एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने रामपुर तोक देवाल क्षेत्र में लगभग 70 नाली भूमि पर की जा रही अवैध भांग की खेती को चिह्नित कर नष्ट किया। पुलिस के अनुसार भांग की खेती करने पर कड़ी सजा दी जाएगी।

अब सरास तक पहुंचेगा गैस सिलिंडर, 15 किमी की दौड़ से राहत

पुरोला। मोरी विकासखंड के आराकोट-बंगाण क्षेत्र के सरास, ओठाड़ा और थली गांवों के ग्रामीणों को घरेलू गैस सिलिंडर के लिए अब 15 किलोमीटर दूर खुनीगाड़ की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। जिलाधिकारी की स्वीकृति के बाद सरास विस्तार केंद्र से गैस वितरण व्यवस्था शुरू करने को मंजूरी मिल गई है।

जिलाधिकारी के अनुमोदन के अनुसार गैस सिलिंडर की लोडिंग-अनलोडिंग और दोनों ओर की ढुलान के लिए प्रति सिलिंडर 100 रुपये निर्धारित किए गए हैं। गैस एजेंसी इसी



लैसडौन में लगा जाम

नियमों की अनदेखी करते हुए इन क्षेत्रों में वाहन खड़े कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था नहीं होने

और नो- पार्किंग क्षेत्र में वाहनों के खड़े होने का सबसे अधिक असर स्थानीय नागरिकों और स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। कांग्रेस नगर

कोटद्वार से हरिद्वार के लिए रवाना हुई बाइक रैली

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: आमजन जन को वन्यजीव संरक्षण का संदेश देने के लिए कोटद्वार से हरिद्वार के लिए बाइक रैली निकाली गई। इस दौरान आमजन से वन व वन्यजीवों के संरक्षण की अपील की गई। कहा कि वन हमारी अनमोल धरोहर हैं, इसलिए हमें इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा।

वन्य जीव सप्ताह के तहत कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग के अंतर्गत काबेट टाइगर रिसेप्शन सेंटर निकाली गई बाइक रैली को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने हरी झंडी दिखाई। विस अध्यक्ष ने कहा कि वन्यजीव प्राकृतिक धरोहर होने के साथ ही पर्यास्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके संरक्षण की जिम्मेदारी केवल वन विभाग की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की



है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अपनी समृद्ध वन संपदा, जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए देश-दुनिया में पहचान रखता

है। ऐसे में प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि

सार्वजनिक शौचालय, नाली निर्माण की मांग

श्रीनगर। व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों ने चौबट्टा बाजार खिर्सू में सार्वजनिक शौचालय, नालियों का निर्माण एवं सोलार लाइट लगवाने की मांग जिला पंचायत अध्यक्ष पौड़ी से की। जिला पंचायत अध्यक्ष को भेजे जापन में उन्होंने कहा कि प्रकाश व्यवस्था व शौचालय नहीं होने से बाजार आने वाली आम जनता के साथ ही व्यापारियों को भी परेशानियां होती हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य सिंगोरी उत्तम सिंह, रेखा देवी और व्यापार सभा अध्यक्ष प्रदीप नेगी, उपाध्यक्ष सारांश रावत, मुकेश नेगी, विनय पंत आदि ने मांग को लेकर जापन जिला पंचायत अध्यक्ष को जापन भेजा।

करने और उचित ढुलान दर तय करने का आग्रह किया था।

माध्यम से लोगों को वन्यजीवों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सकता है।वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ ही जैव विविधता को बनाए रखना आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है। उन्होंने रैली में शामिल अधिकारियों, कर्मचारियों, बाइक राइडर्स और प्रकृति प्रेमियों के प्रयासों की सराहना की। रैली के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण, वनों की सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान लोगों से वन्य जीवों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील भी की गई। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी तरुण एस., उप प्रभागीय वनाधिकारी अनामिका बुकरवाल, उप प्रभागीय वनाधिकारी शिप्रा वर्मा सहित तमाम प्रकृति प्रेमी मौजूद रहे।

आठ को उत्तरकाशी में होगा वोट बचाओ, देश बचाओ मार्च

उत्तरकाशी। जिला कांग्रेस कमेटी ने लोकतंत्र, संविधान और माताधिकार की रक्षा को लेकर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं वोट बचाओइंद्र बचाओ अभियान की घोषणा की है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने पत्रकार वार्ता में बताया कि अभियान के तहत आठ अक्टूबर को उत्तरकाशी में वोट बचाओ देश बचाओ मार्च निकाला जाएगा। मार्च में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों, युवाओं के शामिल होने की बात कही गई है। रावत ने कहा कि मतदाता सूची और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस लगातार सवाल उठा रही है। उन्होंने निर्वीचन प्रक्रिमा में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष एवं परदर्शी जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा जिन नेताओं के आधार पर कांग्रेस को घेर रही है उनमें से कई अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष से अपनी ही पार्टी में शामिल नेताओं से वरगवाव मामले को लेकर सवाल करने की बात कही। पत्रकार वार्ता में चनार्नद नौटियाल, प्रदेश सचिव मनीष राणा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख कनकपाल परमार, विजेन्द्र नौटियाल, नैन सिंह बिष्ट, सुधीश पंवार, मुकेश रावत शामिल रहे।

बदरीनाथ में श्रद्धालुओं की भीड़, बिना दर्शन के लौटना पड़ रहा

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। एक ओर जहां श्रद्धालु भगवान बदरीविशाल के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं वहीं मंदिर में उमड़ रही भीड़ और लंबी कतारों के कारण कई बुजुर्ग यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मेरठ से बदरीनाथ धाम पहुंची एक महिला श्रद्धालु ने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से धाम में रुकी हुई थी। भगवान बदरीविशाल के दर्शान के लिए मंदिर परिसर तक पहुंची लेकिन लंबी कतार होने के कारण दर्शन नहीं हो पाए। उन्हें बिना दर्शन किए ही लौटना पड़ा। महिला ने कहा कि भगवान के दर्शन का सौभाग्य नहीं मिला पाया। इसका मलाल है लेकिन बदरीनाथ की मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता को



करीब से देखने का अवसर जरूर मिला।

उन्होंने कहा कि बर्फ से ढकी चोटियों और

खूबसूरत बुग्यालों का दृश्य मन को सुकून

देने वाला है।

पिथौरागढ़: लावारिस कुत्तों के झुंड ने महिला को नोचा

पिथौरागढ़ में लावारिस कुत्तों ने आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। आए दिन राहगीरों पर होने वाले हमलों से लोगों में दहशत है। नगर के धर्मशाला लाइन क्षेत्र में लावारिस कुत्तों के एक आक्रमक झुंड ने सड़क से गुजर रही एक महिला पर अचानक हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह उर्दू मीडियम स्कूल के पास निवास करने वाली 52 वर्षीय फातिमा बेगम नई बाजार में एक बच्चे की मालिश करने के लिए जा रही थीं। जैसे ही वह धर्मशाला लाइन में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के समीप पहुंचीं, वहां पहले से मौजूद चार से अधिक लावारिस कुत्तों ने उन पर हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले से महिला सड़क पर गिर पड़ी जिसके बाद कुत्तों ने उन्हें बुरी तरह नोचना शुरू कर दिया।

अपनी जान बचाने के लिए महिला ने किसी तरह हिम्मत जुटाई और उठकर भागने लगीं लेकिन खूंखार कुत्तों ने उनका पीछा करना नहीं छोड़ा। अंततः फातिमा बेगम ने सूझबूझ दिखाते हुए पास पड़े पथरों

से कुत्तों पर हमला किया और उन्हें खदेड़कर अपनी जान बचाई। इस हमले में कुत्तों ने उनके पैर और शरीर पर कई गहरे घाव कर दिए।

घटना के तुरंत बाद वह लहलुहान अवस्था में जिला अस्पताल पहुंचीं जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। अस्पताल के ईएमओ डॉ. राहुल और नर्सिंग ऑफिसर रवि ने बताया कि महिला के शरीर पर कई गहरे घाव आए हैं जिनका समय पर उचित इलाज किया गया है।

नगरवासियों में भारी आक्रोश
स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर के हर गली-मोहल्ले और मुख्य सड़कों पर लावारिस कुत्तों ने डेरा डाल रखा है जो लगातार राहगीरों को अपना शिकार बना रहे हैं। इससे कुछ ही दिन पहले लिन्टूड़ा क्षेत्र में भी आवारा कुत्तों ने दो मासूम बच्चों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था जिन्हें कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रखा न पड़ा था। लगातार बढ़ रही इन घटनाओं और प्रशासन की लाचारी के चलते नगरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

ओटीएस योजना लागू कराने की मांग

हल्द्वानी। उत्तराखंड देवभूमि ट्रक ओनर्स महासंघ ने ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़ी समस्याओं के समाधान और लंबित चालानों के निस्तारण के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना लागू करने की मांग की है। महासंघ के प्रवक्ता एवं देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के कुमाऊं मंडल प्रवक्ता हरजीत सिंह चड्ढा ने तीन अक्टूबर को नानकमत्ता दौरे के दौरान परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा को ज्ञापन सौंपा।

महासंघ ने ज्ञापन में कहा कि हल्द्वानी बाईपास, गोलापार, काठगोदाम और रानीबाग से नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग तक लगने वाले जाम से पर्वतीय क्षेत्रों का ट्रांसपोर्ट कारोबार प्रभावित हो रहा है। ट्रकों के घंटों जाम में फंसे रहने से माल की आपूर्ति भी प्रभावित होती है।

महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण शुरू

ज्योतिमठ। एनटीपीसी तपोवन की ओर से सीएसआर के तहत महिला कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन के लिए सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी परियोजना प्रमुख राजेंद्र कुमार जोशी ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 16 केंद्रों पर ज्योतिर्मठ नगर सहित 13 गांवों की महिलाएं लाभान्वित होंगी। चार माह तक चलने वाले प्रशिक्षण में महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को एक-एक सिलाई मशीन भी प्रदान की जाएगी। मुख्य समारोह के साथ सभी ग्रामों में अलग-अलग प्रशिक्षण केंद्रों का उद्घाटन कर प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। इस मौके पर ब्योंक प्रमुख अनूप सिंह नेगी, नगर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह, सुगाता गुप्ता, शैलेंद्र पांडेय, आरंके गुप्ता समेत कई ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

सैलानियों से गुलजार रही टिहरी झील, बोट कारोबारियों के खिले चेहरे



नई टिहरी। वीकेंड पर टिहरी झील रविवार को दिनभर पर्यटकों से गुलजार रही है। बोटिंग करने के लिए टिहरी झील में सैलानियों का हुजूम उमड़ पड़ा। पर्यटकों की एकाएक बढ़ती संख्या से बोट व्यवसायिओं और व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे। रविवार को टिहरी झील में रोमांच का सफर करने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से लगभग 728 सैलानी

पहुंचे। रविवार को टिहरी झील में सुबह से ही सैलानियों की अच्छी खासी आवाक देखने को मिली। इससे बोट व्यवसायियों और स्थानीय व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे। दिल्ली, मेरठ, हरियाणा, देहरादून, हरिद्वार से बड़ी संख्या में सैलानी झील में बोटिंग का लुत्फ उठाने यहां पहुंचे। सैलानियों की बढ़ती संख्या से बोट व्यवसाय और स्थानीय व्यापारी खासे उत्साहित हैं।

हालांकि मानसून के बाद पिछले दो-तीन से झील क्षेत्र में पर्यटकों की चहल कदमी बढ़नी शुरू हो गई थी, लेकिन रविवार को झील क्षेत्र दिनभर पर्यटकों से गुलजार रही। लेकिन रविवार को बोटिंग करने वाले पर्यटकों की संख्या 728 तक जा पहुंची। सैलानियों की एकाएक बढ़ती संख्या से बोट व्यवसाय और स्थानीय व्यापारी खासे उत्साहित हैं।

दोस्त को बचाने की कोशिश में दूसरा युवक भी गंगा की तेज धारा में बहा

टिहरी। देवप्रयाग संगम पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार दोपहर भागीरथी-अलकनंदा के पवित्र संगम तट पर झारखंड से पहुंचे तीर्थयात्रियों के दल में उस वक़्त चोख-पुकार मच गई, जब उनके दो युवा साथी अचानक गंगा की विकराल धारा की चपेट में आकर बह गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्नान के दौरान पहले एक युवक तेज बहाव की चपेट में आकर बहने लगा। जिसे बचाने के लिए उसके साथी ने कोशिश की, लेकिन इस दौरान दूसरा दोस्त भी बह गया। दोनों युवक काफी दूर तक पानी के उमर संघर्ष करते नजर आते दिखे और फिर पलक झपकते ही आंखों से ओझल हो गए। बोते तीन दिनों के भीतर संगम तट पर तीन नौजवानों के डूबने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।



एक नजर

आशुभाषण में कार्तिक

प्रदेश में रहे प्रथम

गोपेश्वर। खटीमा के रामकुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित प्रांतीय संस्कृति महोत्सव में श्रीरामचंद्र भट्ट सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गोपेश्वर के दसवीं के छात्र कार्तिक तिवारी ने आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारतीय शिक्षा समिति उत्तराखंड की ओर से आयोजित महोत्सव में प्रदेशभर के छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्तिक ने तात्कालिक विषय पर बेबाक वाकपटुता, सामान्य ज्ञान और तार्किक शैली से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। कार्तिक ने सफलता का श्रेय दैनिक समाचार पत्र पढ़ने, ज्ञानवर्धक पुस्तकों के अध्ययन और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया। इससे पहले 14 सितंबर को भाषा दिवस पर आयोजित गढ़वाली कविता प्रतियोगिता में भी कार्तिक प्रथम स्थान प्राप्त कर चुके हैं।

किन्न में राधिका, भाषण में

कुमकुम प्रथम

देवाल। राजकीय इंटर कॉलेज बोरगाड़ में आयोजित संकुल स्तरीय सामाजिक विज्ञान महोत्सव के तहत हुई किन्न प्रतियोगिता में हाईस्कूल रैन की राधिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय में आयोजित संकुल स्तरीय मॉडल प्रतियोगिता में हाईस्कूल के विपिन ने प्रथम और कुमकुम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में इंटर कॉलेज बोरगाड़ के कुमकुम प्रथम और रैन की दीपा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। किन्न में रैन की राधिका ने पहला और बोरगाड़ के जय प्रकाश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के बाद विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर शिक्षक दीपा ब्रिट, सुमनलता, दीपा गड्डिया, नरेंद्र बुटोला और निमेष चौधरी आदि मौजूद रहे।

11 से 19 तक होगा नवरात्र अनुष्ठान

रुद्रप्रयाग। महड़ दशज्यूला कांडई स्थित चंडिका मंदिर में 11 से 19 अक्टूबर तक शारदीय नवरात्र अनुष्ठान होगा। मंदिर समिति ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। समिति अध्यक्ष बच्चन सिंह नेगी, सचिव सुभाष चौहान और संरक्षक विजयपाल कटैत ने बताया कि 11 अक्टूबर को घटस्थापना होगी। 17 को अर्धरात्रि में कालरात्रि पूजन, 18 को जल कलश यात्रा, महादेव का प्राकट्य और यज्ञारंभ होगा। 19 को अनुष्ठान का समापन होगा। समिति ने श्रद्धालुओं से अनुष्ठान में शामिल होने की अपील की।

सीएम से मिली विधायक,

जनसमस्याओं पर की चर्चा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधायक आशा नैटियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण जनसमस्याओं और विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। उन्होंने केदारनाथ धाम व पैदल मार्ग पर वर्षों से स्वरोजगार कर रहे स्थानीय नागरिकों की आजीविका और हितों की रक्षा के लिए यात्रा व्यवस्थाओं में उन्हें प्राथमिकता देने की मांग की। विधायक ने कहा कि चारधाम और पंचकेदार यात्रा के प्रमुख पड़ाव व ब्लॉक मुख्यालय उखीमठ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उच्चोक्त कर वहां पदों का सृजन किया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग मोहनखाल-किणझाणी-चोपता मार्ग के निर्माण का मुद्दा भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा गया।

सड़क किनारे उगी झाड़ियां से हादसे का खतरा
चोपता। चोपता-कोलु-भीसाल सड़क किनारे उगी झाड़ियां हादसों को न्योता दे रही हैं। ऐसे में जहां चालकों को वाहन चलाने में परेशानी आ रही है तो वहीं झाड़ियों में जंगली जानवरों के छिपे होने का डर रहता है। प्रधान कोलु-भन्नु दलेब सिंह सजवाण ने बताया कि इस संबंध में कई बार पीएमजीएसवाई को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अभी तक झाड़ियां नहीं काटी गईं।

इंतजाम धड़ाम: वीकेंड पर मसूरी और कैंची धाम में पर्यटकों का सैलाब

नैनीताल। उत्तराखंड में वीकेंड पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। इस दौरान मसूरी और कैंची धाम में जाम के झाम से निपटने के लिए किए गए पुलिस के इंतजाम भी कम पड़ गए। पहाड़ों की रानी मसूरी में पर्यटकों की भीड़ के साथ अब होटलों का एक साथ चेकआउट भी शहर के लिए मुसीबत बन गया है। रविवार को लगातार तीसरे दिन सुबह चेकआउट के समय शहर के प्रमुख चौक-चौराहे जाम से जूझते रहे। उधर कैंची धाम में भी भारी भीड़ रही।

रविवार को सुबह साढ़े आठ बजे से दोपहर 12 बजे के बीच सबसे ज्यादा ट्रैफिक का दबाव रहा। होटलों से एक साथ पर्यटकों के वाहन निकलने के बाद लाइब्रेरी चौक और पिब्र पैसेस चौक और मालरोड़ में वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालात यह रहे कि कई पर्यटक और स्थानीय लोग घंटों जाम में फंसे रहे। माल रोड समेत आसपास के संपर्क मार्गों पर भी वाहनों की रफ्तार थम गई।

प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह गहलोत ने होटल संचालकों से अपील की थी कि पर्यटकों का चेकआउट क्षेत्रवार अलग-अलग समय पर करवा जाए। इसका मकसद एक साथ वाहनों के सड़क पर



आने से होने वाले ट्रैफिक दबाव को कम करना और मालरोड के लाइब्रेरी और भगत सिंह चौक पर ट्रैफिक जाम को समस्या को कम करना था। लेकिन रविवार



को पुलिस की अपील का खास असर दिखाई नहीं दिया।

अधिकांश होटलों में पूर्व निर्धारित समय पर ही

आयुर्वेद विवि में दाखिले का संकट, राज्य की सीटें खाली

ऋषिकेश।उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय में बीएएमएस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए सीटों के मुकाबले आवेदकों का ढोटा पड़ गया है। राज्य कोटे की करीब 1020 सीटों के लिए प्रदेश से महज 600 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। ऐसे में प्रथम चरण की काउंसलिंग के बाद बड़ी संख्या में राज्य कोटे की सीटें खाली रहने की पूरी संभावना है।उत्तराखंड आयुर्वेद विवि में बीएएमएस को करीब 1200 सीटें उपलब्ध हैं। नियमानुसार, इनमें से 15 प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय कोटे के लिए निर्धारित हैं, जबकि शेष 85 प्रतिशत (करीब 1020) सीटें राज्य कोटे के अधीन आती हैं। इन 1020 सीटों के सापेक्ष प्रदेश से केवल 600 अभ्यर्थियों ने ही पंजीकरण कराया है। बताया जा रहा है कि इनमें से भी उच्च मेरिट वाले अभ्यर्थी अखिल भारतीय कोटे की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे राज्य कोटे की सीटें और अधिक खाली रह सकती हैं। इसके विपरीत, अखिल भारतीय कोटे की 15 फीसदी सीटों के लिए देश के अन्य राज्यों से 1100 से



अधिक अभ्यर्थियों ने दावेदारी पेश की है।विवि प्रशासन के अनुसार, आठ अक्टूबर को काउंसलिंग बोर्ड की अहम बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सीट आवंटन की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी। इसी दिन अभ्यर्थियों को आवंटन पत्र जारी करने की भी तैयारी है। प्रथम चरण में अभ्यर्थियों का मुख्य रुझान सरकारी और चुनिंदा प्रतिष्ठित निजी कॉलेजों पर ही रहेगा, जिससे सामान्य निजी कॉलेजों में भारी संख्या में सीटें खाली रह सकती हैं।

कांग्रेस ने संविधान बचाओ, वोट बचाओ पखवाड़ा किया शुरू

ऋषिकेश। जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर संविधान बचाओ, वोट बचाओ पखवाड़े की शुरुआत की। जिलाध्यक्ष संजय किशोर ने प्रेस वार्ता में उद्देश्यों और कार्यक्रमों की जानकारी दी।संजय किशोर ने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और मताधिकार देता है, जिसकी रक्षा लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। कांग्रेस पार्टी इस पखवाड़े में जन-जागरूकता अभियान, नुक़ड़ सभाएं और पदयात्राएं आयोजित करेगी। उन्होंने मतदाता सुचियों से संबंधित प्रक्रिया और एसआईआर को लेकर चिंताएं व्यक्त कीं। पार्टी का



उद्देश्य है कि पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहे और कार्यों में पारदर्शिता हो वि मतदाताओं को सूची जांचने और आपत्ति दर्ज कराने में मदद करेगें। प्रेस वार्ता में प्रदेश सचिव शम्मी प्रकाश, हरबट्युर नगर अध्यक्ष आशीष पुंडीर, अतुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

जाम से प्रमुख मार्गों पर रेंगे वाहन, फंसे रहे पर्यटक

ऋषिकेश।वीकेंड पर तीर्थनगरी ऋषिकेश की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बेपटो हो गई। शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों का ऐसा भारी दबाव रहा कि कोयल घाटी तिराहे से कैलाश गेट, नेपाली फार्म से श्यामपुर फाटक, योगनगरी रेलवे स्टेशन से इंद्रमणि बडोनी चौक और ढालवाला से भदकाली तक वाहन रेंगते नजर आए। सुबह करीब नौ बजे से शुरू हुए इस जाम में स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहरी पर्यटक घंटों फंसे रहे। जाम के झाम में सबसे ज्यादा परेशानी नेपाली फार्म-श्यामपुर मार्ग पर हुई। श्यामपुर पुलिस चौकी से ही वाहनों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। इस मार्ग पर ट्रेंटों के आवागमन के कारण दो रेलवे फाटक बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। फाटक खुलने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो सकी और जाम बढ़ता गया। यातायात



पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए बाहरी राज्यों

से आने वाले वाहनों को बाईपास की ओर डायवर्ट करना शुरू किया, इसके बावजूद गंगा देवी चौक से इंद्रमणि बडोनी चौक तक यातायात बाधित रहा। जाम से बचने के लिए बाहरी पर्यटकों ने जीपीएस का सहारा लिया, जिससे मुनिकिरीती और चौदह बोधा क्षेत्र की संकरी गलियों में भी बाहरी वाहनों की घुसपैठ हो गई। गलियां चौक होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

संक्षिप्त

समाचार

सिंगापुर के गांधी स्मारक सभागार में भारतीय समुदाय ने बापू को दी श्रद्धांजलि



सिंगापुर, एंजेंसी। तीन अक्टूबर सिंगापुर में भारतीय समुदाय के नेताओं ने शुक्रवार को ‘लिटिल इंडिया’ क्षेत्र में स्थित 73 साल पुराने गांधी स्माकर सभागार में गांधी जयंती मनाई जिसमें भारत की उप उच्चायुक्त सुधी चौधरी ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर सुधी चौधरी ने कहा कि गांधी जयंती महात्मा गांधी के जीवन और उनकी विरासत का स्मरण कराती है। ‘सिंगापुर इंडियन फाइन आर्ट्स सोसाइटी’ (एसआईएफएएस) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय समुदाय ने प्रार्थना सभा की और पारंपरिक भारतीय नृत्य प्रस्तुत किए। चौधरी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘भारतीय संगीत, नृत्य और अन्य कला विधाओं को प्रोत्साहित करने के साथ ही एसआईएफएएस खास तौर पर आज के दिन बापू के चिरस्थायी आदर्शों को सम्मान देने में अहम भूमिका निभाती है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘ये प्रयास हमारे दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक सेतु का काम करते हैं, जो लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करते हैं और भारत-सिंगापुर की दीर्घकालिक साझेदारी को और समृद्ध बनाते हैं।’’ एसआईएफएएस न्यासी मंडल’ के चेयरमैन एवं पूर्व राजनयिक शम्बीर हसनभाई ने कहा, ‘‘2022 में शुरु की गई एसआईएफएएस छात्रवृत्तियां शिक्षा के प्रति गांधीजी के नजरिए का सम्मान करती हैं...।’’ महात्मा गांधी के दर्शन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात वक्ता डॉ. शोभना राधाकृष्णन ने भी सभा को संबोधित किया। इस भवन का उद्घाटन 1953 में महात्मा गांधी के सम्मान में किया गया था। कार्यक्रम और छात्रवृत्ति वितरण समारोह के दौरान एसआईएफएएस के छात्रों ने भरतनाट्यम की प्रस्तुतियां दीं और पारंपरिक भारतीय संगीत पेश किया।

चीन से तनाव के बीच ताइवान

पहुंचे दो एफ- 16 लड़ाकू विमान

बीजिंग, एंजेंसी। चीन से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका से मिले 66 नए एफ- 16वी ब्लॉक 70 लड़ाकू विमानों में से पहले दो विमान ताइवान पहुंच गए। सॉफ्टवेयर संबंधी समस्याओं के कारण इन विमानों के पहुंचने में देरी हुई थी। दोनों एफ-16वी विमान शुक्रवार को ताइवान स्थित चियांग एयरबेस पर उतरें। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने इसे ताइवान की हवाई रक्षा क्षमता मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया और अमेरिका के समर्थन के लिए आभार जताया।

धरती से ऊपर बसी 14

इन्सानों की दुनिया, दो स्पेस स्टेशनों पर जमावड़ा

वाशिंगटन, एंजेंसी। अंतरिक्ष में इस समय 14 इन्सान एक साथ मौजूद हैं, लेकिन इसे नया रिकॉर्ड कहना सही नहीं होगा। नासा के स्पेसएक्स क्रू-13 के चार सदस्य शुक्रवार की सुबह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे हैं। चीन के तियांगोंग स्पेस स्टेशन पर पहले से तीन एस्ट्रोनॉट मौजूद हैं। इस तरह पृथ्वी की निचली कक्षा में कुल 14 इन्सान एक साथ रहकर काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद सात सदस्यीय एक्सपीडिशन-75 दल में क्रू-13 के चार सदस्य जुड़ गए हैं। इनमें नासा की जैसिका वॉटकिन्स और ल्युक डेलाने, कनाडाई अंतरिक्ष एंजेंसी के जोशुआ कुदृिक और रूस के सर्गेई तेतयेर्यात्निकोव शामिल हैं। यहां पांच अमेरिकी, चार रूसी, एक कनाडाई और एक फ्रांसीसी एस्ट्रोनॉट-कॉस्मोनॉट हैं। जो पौधों की वृद्धि और तकनीकी प्रयोगों पर काम करेंगे।

नोबेल के लिए अंतरिक्ष से भी लिए जाएंगे नामांकन

वाशिंगटन, एंजेंसी। अब नोबेल शांति पुरस्कार केवल जमीन पर मौजूद नेताओं या संगठनों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि इसके लिए अंतरिक्ष से भी दावेदारी पर विचार किया जा रहा है। ओस्लो के पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के हाकोन गजेलौव और शॉन डेविंस ने कहा कि नॉर्वेजियन नोबेल समिति के इस साल के 287 नामांकनों में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का नाम शीर्ष सूची में शामिल हो सकता है।

अमेरिका ने 50 देशों के नागरिकों पर लगाया वीजा बॉन्ड, भारत को मिली छूट

वाशिंगटन , एंजेंसी। अमेरिका ने 50 देशों की एक सूची जारी की है, जिनके नागरिकों को बिजनेस और टूरिस्ट वीजा के लिए 20,000 डॉलर तक का वीजा बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस नियम से भारत को बाहर रखा गया है यानी भारतीय पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि, दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान और नेपाल इस सूची में शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को उन देशों की अपडेटेड लिस्ट जारी की, जिनके नागरिक अगर बी1/बी2 वीजा के लिए बाकी सभी शर्तें पूरी करते हैं, तो भी वीजा जारी किए जाने से पहले उन्हें बॉन्ड जमा करने के लिए कहा जा सकता है। इस प्रोग्राम के तहत, सूची में शामिल देशों में से किसी एक द्वारा जारी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले आवेदक को 10,000 डॉलर, 15,000 डॉलर या 20,000 डॉलर का बॉन्ड जमा करना होगा।

स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, इस रकम का फैसला वीजा इंटरव्यू के दौरान कांसुलर ऑफिसर करते हैं। यह नियम भारतीय पासपोर्ट धारकों पर लागू नहीं होता है। अमेरिकी विदेश विभाग की सूची के मुताबिक, बांग्लादेश और नेपाल पर यह नियम 21 जनवरी से, जबकि भूटान पर 1 जनवरी से लागू है। इस सूची में अफ्रीका, कैरिबियाई क्षेत्र, मध्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश भी



शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह प्रोग्राम इमिग्रेशन एंड नैशनैलिटी एक्ट की धारा 221(जो)(3) के तहत चलाया जा रहा है। इस कानून के तहत कांसुलर अधिकारी वीजा जारी करने से पहले आवेदक से बॉन्ड जमा करने के लिए कह सकता है। मौजूदा प्रोग्राम एक अंतिम नियम के तहत शुरू किया गया, जो तीन अगस्त से लागू हुआ। विदेश विभाग के मुताबिक, किन देशों के नागरिकों पर यह नियम लागू होगा, यह तय करने के लिए अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) की ‘एंट्री/एक्जिट ओवरस्टे रिपोर्ट’ में दिए गए बी1/बी2 वीजा ओवरस्टे के आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। यानी ऐसे मामलों को देखा जाता है, जिनमें लोग अस्थायी वीजा पर अमेरिका गए लेकिन वीजा के तहत तय समय से

ज्यादा वहां रुके। जिन आवेदकों पर वीजा बॉन्ड का नियम लागू होगा, उन्हें डीएचएस फॉर्म आई-352 भी जमा करना होगा। इसके अलावा उन्हें अमेरिकी वित्त विभाग के ऑनलाइन पैमेंट प्लेटफॉर्म पे डॉट जीओवी के जरिए बॉन्ड की शर्तों को स्वीकार करना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ तौर पर कहा है कि आवेदक कांसुलर अधिकारी के निर्देश मिलने से पहले कोई भ्रगतान न करें। विभाग ने कहा, ‘ आवेदक को बॉन्ड जमा करने के लिए फॉर्म आई-352 तभी देना चाहिए, जब कांसुलर अधिकारी उसे ऐसा करने का निर्देश दे। ‘ वीजा बॉन्ड का पैसा खुद आवेदक या उसकी ओर से कोई तीसरा व्यक्ति जमा कर सकता है। इसमें दोस्त, रिश्तेदार या बिजनेस सहयोगी भी शामिल हो सकते हैं। अगर बॉन्ड से जुड़ी सभी शर्तें पूरी की

जाती हैं, तो जिस व्यक्ति ने रकम जमा की है, उसे पैसा वापस मिलेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह भी साफ किया कि बॉन्ड का पैसा जमा करने का मतलब वीजा मिलने की गारंटी नहीं है। वीजा बॉन्ड जमा करने वाले यात्रियों को अमेरिका में आने और वहां से वापस जाने के लिए कुछ अतिरिक्त नियमों का पालन करना होगा। उन्हें कमर्शियल एयरपोर्ट्स का इस्तेमाल करना होगा। इसमें अमेरिकी कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन की प्रीक्लियरेंस सुविधा वाले स्थान भी शामिल हैं। इस प्रोग्राम की शर्तों के तहत, वे आने-जाने के लिए चारों विमान, जनरल एविएशन, जमीन के रास्ते या समुद्री बंदरगाहों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अगर बॉन्ड की शर्तों के संभावित उल्लंघन का मामला सामने आता है, तो उसे यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के पास भेजा जाएगा। यूएससीआईएस तय करेगा कि बॉन्ड की शर्तों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। इस वीजा बॉन्ड प्रोग्राम का मकसद उन मामलों को कम करना है, जिनमें लोग अस्थायी बिजनेस या टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका जाते हैं, लेकिन तय समय से ज्यादा वहां रुक जाते हैं। अमेरिकी सरकार डीएचएस के वीजा ओवरस्टे से जुड़े आंकड़ों के आधार पर तय करती है कि किन देशों के नागरिकों पर बॉन्ड की शर्त लागू की जाएगी।

यूएस: ट्रंप का दावा- ईरान जंग खत्म होते ही गिरेंगे तेल के दाम, बोले- तेहरान के पास कभी नहीं होगा परमाणु हथियार

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध, तेल की कीमतों और अमेरिका में महंगाई को लेकर कई दावे किए हैं। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाएगा। ट्रंप ने महंगाई और ‘अफोर्डेबिलिटी’ के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक पार्टी को निशाना बनाया और दावा किया कि उनके प्रशासन ने कीमतों को नीचे लाने का काम किया है। उनके इन दावों के बीच अमेरिका में ईंधन की कीमतों और ईरान युद्ध के आर्थिक असर को लेकर बहस जारी है। ट्रंप ने कहा कि ‘अफोर्डेबिलिटी’ यानी चीजों को लोगों की पहुंच में रखना, यह शब्द डेमोक्रेट्स ने दिया है। उन्होंने बहुत बड़ी समस्या पैदा की और इतिहास की सबसे खराब महंगाई दी। हमने तो सिर्फ कीमतों को कम करने का काम किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जब ईरान के साथ युद्ध खत्म होगा, जो बहुत जल्द होने वाला है, तो तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी। ईरान संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति और वैश्विक

ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है। हाल ही में जी-7 देशों ने बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच बाजार में 10 करोड़ बैरल तेल और रिफाईंड ईंधन जारी करने की योजना की घोषणा की है। ट्रंप ने अपने बयान में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी स्पष्ट रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि सबसे पहली बात यह है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। क्योंकि वे पागल हैं। यह काम दूसरे राष्ट्रपतियों को वर्षों पहले ही कर देना चाहिए था या किसी दूसरे देश को करना चाहिए था। ट्रंप पहले भी यह दावा कर चुके हैं कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। अगस्त में भी उन्होंने कहा था कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ‘अफोर्डेबिलिटी’ के मुद्दे पर डेमोक्रेट्स की आलोचना करते हुए कहा कि यह शब्द उनकी पार्टी की ओर से इस्तेमाल किया गया और उनके मुताबिक, पिछली नीतियों ने महंगाई की समस्या पैदा की। ट्रंप ने दावा किया कि उनके प्रशासन ने कीमतों को कम करने के लिए काम किया है।

होर्मुज में जहाज पर मिसाइल हमला, 5 भारतीय सवार थे:सभी सुरक्षित; 8 महीने में इस इलाके में 11 भारतीय नाविकों की जान गई

मस्कट, एंजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट में शुक्रवार को एक जहाज पर मिसाइल हमला हुआ। इस जहाज में 5 भारतीय सवार थे। ओमान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को बताया कि पांचों भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ये नाविक कुवैत के झंडे वाले टैंकर एमटी काजिमाह III पर सवार थे। यह कच्चे तेल से भरा था और अफ्रीका की ओर जा रहा था। हालांकि, यह हमला किसने किया, यह अभी जानकारी तक सामने नहीं आई। फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलों में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई।



मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि इस क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, इस समय फास की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं। इसके

अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, भारत का शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावासों और स्थानीय



प्रेसिडेंशियल पार्डन (माफी) पाने के बाद झाओ अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी के साद्वियात द्वीप पर 9 बेडरूम वाले आलीशान विला, चार बांडीगार्ड्स, शेफ और दाम्न नामक लक्जरी यॉट के साथ बेखोफ जिंदगी बिता रहे हैं। वह किसी राष्ट्रध्यक्ष की तरह प्राइवेट जेट से एशिया भर के मुल्कों में घूमते हैं। किर्गिस्तान के राष्ट्रपति के साथ स्कीइंग करते हैं। ट्रंप के बेटे के साथ गहरे काराबारी रिश्ते : झाओ के मौजूदा रसूख की सबसे बड़ी

ट्रंप प्रशासनको झटका: टेक्ससमें बॉर्डर वॉल परियोजना पर कोर्ट ने लगाई रोक; फैसले से किसे मिली राहत?

वाशिंगटन, एंजेंसी। टेक्सस की संघीय अदालत ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया। इसमें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को राज्य के बिग बेंड इलाके में बॉर्डर वॉल (अमेरिका-मैक्सिको सीमा पर बनाई जा रही दीवार) और दूसरी बुनियादी सुविधाएं बनाने से फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला इस इलाके के जमीन मालिकों, कारोबारियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी जीत है। ये सभी प्रस्तावित निर्माण परियोजनाओं का विरोध कर रहे हैं। ये परियोजनाएं ट्रंप प्रशासन की 46 अरब डॉलर की योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर कई तरह की सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी है। इसमें 30 फुट ऊंची स्टील की दीवारें शामिल हैं। इसके अलावा वाहनों को रोकने वाली बाधाएं, सड़कें और निगरानी की तकनीक भी लगाई जानी है।

कोर्ट ने रोक लगाने की क्या वजह बताई : जज कैथलीन कार्डोन ने अपने आदेश में कहा कि याचिका दायर करने वालों के कम से कम एक दावे पर जीतने के संभावना हैं। उन्होंने कहा कि अगर रोक नहीं लगाई गई, तो याचिकाकर्ताओं को गंभीर और ऐसा नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपाई बाद में नहीं की जा सकेगी। जज ने यह भी कहा कि मामले में दोनों पक्षों के हितों को देखने और जनता के हित को ध्यान में रखने पर

फैसला याचिकाकर्ताओं के पक्ष में जाता है। सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग (सीबीपी) और गृह सुरक्षा विभाग ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

विरोध करने वालों का क्या तर्क है : बॉर्डर वॉल परियोजना के विरोधियों का कहना कि टेक्सस का बिग बेंड इलाका बहुत दूर-दराज है। यहां का भू-दृश्य भी बेहद ऊबड़-खाबड़ है। उनका कहना है कि यह इलाका खुद ही अवैध प्रवास को रोकने का काम करता है। विरोधियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन ने कानून का उल्लंघन किया है। उनके अनुसार, प्रशासन ने कई नियमों को दरकिनार करने के लिए बड़े पैमाने पर छूट दी। इन छूटों के जरिये बॉर्डर वॉल से जुड़ी निर्माण परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश की गई।

याचिका दायर करने वाले संगठन ने क्या कहा : यह मामला सेंटर ऑफ बायोलॉजिकल डायवर्सिटी ने अदालत में उठाया था। संगठन से जुड़े लाइकेन जॉर्डहेल ने जज कार्डोन के फैसले को ‘पूर्ण जीत’ बताया। जॉर्डहेल ने कहा कि बुलूडोजर अब वापस भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि अदालत जब तक मामले के मूल मुद्दों पर फैसला नहीं करती, तब तक निर्माण आगे नहीं बढ़ेगा। उन्होंने इसे बिग बेंड, टेक्ससास और अमेरिकी संविधान के लिए ऐतिहासिक दिन बताया।

क्रिप्टोकರೆंसी उद्योग के दिग्गज चांगपेंग झाओ: कहा- लोकतंत्र में सुनवाई नहीं, तानाशाह के राज में काम तेजी से

अबू धाबी, एंजेंसी। सफेद निसान एश्यूवी की ड्राइविंग सीट पर बैठे 49 वर्षीय चांगपेंग झाओ (सीजेड) विंडशील्ड पर आईफोन टिकाकर गाड़ी चलाते हुए खुद को किसी आम कैब ड्राइवर की तरह पेश करते हैं और हंसते हुए कहते हैं ये मेरी लैम्बोर्गिनी है। हकीकत यह है कि यह आम आदमी दुनिया के क्रिप्टोकರೆंसी उद्योग का सबसे अमीर और शक्तिशाली शख्स है, जिसकी कुल संपत्ति लगभग 114 अरब डॉलर यानी करीब 10.83 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।



हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादियों व रूसी सॉफ्टवेयर के लिए वित्तीय पनाहगाह बनने के आरोपों में जेल भेजे जा चुके झाओ चार महीने की कैद काटकर बाहर आए हैं। ट्रंप के बेटे के साथ गहरे काराबारी रिश्ते : झाओ के मौजूदा रसूख की सबसे बड़ी

बुनियाद दुनिया के दो सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों के साथ उनकी गहरी कारोबारी सांठगांठ है। पिछले साल झाओ की कंपनी बाइनैस ने ट्रंप और उनके बेटों के क्रिप्टो स्टार्टअप वल्ट्ज लिबर्टी फाइनंशियल के साथ कारोबारी रिश्ता कायम किया। इस कंपनी ने पिछले साल ट्रंप को 79.9 करोड़ डॉलर की कमाई कराई। अमीरात के सरकारी फंड एमजीएक्स ने बाइनैस में दो अरब डॉलर (करीब 19,000 करोड़ रुपये) का निवेश करने के लिए ट्रंप परिवार के अप्रमाणित स्ट्रेबलकॉइन यूएसडी। का उपयोग किया। इसके ठीक बाद अमेरिका ने यूएई को एआई चिप्स के निर्यात की मंजूरी दी और अक्टूबर में ट्रंप ने झाओ को माफी दे दी। अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्ल्यूमेंथल ने इसे इतिहास का सबसे निरलंज और अभूतपूर्व भ्रष्टाचार कर दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ

बातचीत के दौरान जब झाओ की गाड़ी अबू धाबी के राष्ट्रपति भवन कस्स अल वतन के सामने से गुजरी, तो उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछली दो सदियों से लोकतंत्र को पवित्र माना जाता रहा है, यदि आपके पास कोई परोपकारी तानाशाह हो, तो व्यवस्था बेहद कुशल हो जाती है।

वहां कोई बेतुकी बहस नहीं होती और फालतू चीजों में समय बर्बाद नहीं होता। झाओ को 2024 में अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के उल्लंघन का दोषी पाया गया और वह कैलिफोर्निया की लोमोसक जेल में 4 महीने कैद में रहे। उनकी कंपनी पर 4.3 अरब डॉलर (करीब 40,850 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगा, झाओ की यह दास्तान 21वीं सदी के उस बेलागाम वित्तीय पूंजीवाद का सबसे चौंकाने वाला आईना है।

एफबीआई के राज अब होंगे बेपर्दा?:काश पटेल की गोपनीय रिपोर्ट ने बढ़ाई हलचल, कौन साफ़नों की फिर से होगी जांच?

वाशिंगटन , एंजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एंजेंसी एफबीआई में एक गोपनीय रिपोर्ट को लेकर हलचल है। इसे पटेल रिपोर्ट कहा जा रहा है। रिपोर्ट एंजेंसी के कर्मचारियों के लिए तैयार की गई है। इसमें एफबीआई के इतिहास के उन हिस्सों की समीक्षा की गई है, जहां संस्था के अनुसार उससे चूक हुई। रिपोर्ट की जानकारी एक आंतरिक संदेश से सामने आई है। हालांकि, इसमें किन घटनाओं का जिक्र है, यह अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।



आखिर पटेल रिपोर्ट में किन मामलों की जांच होगी : रिपोर्ट में एफबीआई के पुराने कामकाज की समीक्षा की गई है। एंजेंसी के संदेश के अनुसार, इसका मकसद उन गलतियों को पहचानना है, जिन्हें अतीत में ठीक नहीं किया गया। संदेश में कहा गया है कि जो हुआ उसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन उसकी ईमानदारी से समीक्षा की जा सकती है। इसके जरिए कमियों को स्वीकार करने, जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसी गलतियां रोकने के उपायों पर जोर दिया गया है।

काश पटेल के नेतृत्व में यह रिपोर्ट क्यों अहम : एफबीआई के निदेशक काश पटेल पहले भी एंजेंसी के पुराने नेतृत्व आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने ऐसे अधिकारियों और मामलों की जांच के बढ़ावा दिया है, जिन पर उनके अनुसार एंजेंसी के राजनीतिकरण से जुड़े सवाल हैं। उनके कार्यकाल में कई कर्मचारियों को नौकरी से हटाया भी गया है। इनमें कुछ ऐसे

कर्मचारी शामिल थे, जो डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े वर्षों पुराने मामलों की जांच में शामिल रहे थे।

नई रिपोर्ट को लेकर काश पर क्या सवाल उठे : पटेल ने निदेशक बनने से पहले कहा था कि वह पीछे की ओर नहीं देखेंगे। इसके बावजूद उनके कार्यकाल में पुराने अधिकारियों और पुराने मामलों की समीक्षा हुई है। इसी वजह से नई रिपोर्ट को लेकर भी बहस शुरू हुई है। पटेल के समर्थक इसे जवाबदेही की कोशिश के रूप में देखते हैं। उनके आलोचकों का आरोप है कि एफबीआई का इस्तेमाल राजनीतिक तरीके से किया जा रहा है और पुराने इतिहास को नए नजरिए से पेश करने की कोशिश हो रही है। ये आलोचकों के आरोप हैं। एफबीआई के सह-उप निदेशकों क्रिस्टोफर राइया और एंड्रयू बेलेरी की ओर से कर्मचारियों को भेजे गए संदेश में रिपोर्ट का बचाव किया गया है। संदेश के अनुसार, पुरानी गलतियों को छिपाने के बजाय उनका सामना करना जरूरी है। इसमें जवाबदेही तय करने और जिन चीजों में कमी रही, उन्हें ठीक करने की बात कही गई है। रिपोर्ट का एफबीआई के एक पुराने अध्याय के अंत और नए अध्याय की शुरुआत के रूप में भी बताया गया है।

अमेरिका: ओहायो के श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला, खिड़कियां टूटीं; जांच में जुटी एजेंसियां

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिका के ओहायो में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर ईंटों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। श्री स्वामीनारायण वडताल धाम हिंदू मंदिर, रिचमंड हाइट्स में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे यह घटना हुई। हमलावरों ने मंदिर की इमारत पर ईंटें फेंकीं, जिससे काफी नुकसान हुआ। अमेरिकी गैर-लाभकारी संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना की जानकारी दी। संगठन के अनुसार, घटना के वक्त मंदिर को निशाना बनाया गया और ईंटें फेंके जाने से संरचना को काफी नुकसान पहुंचा। एचएएफ ने बताया कि

यह अपमानजनक हमला महात्मा गांधी की जयंती और ओहियो राज्य द्वारा घोषित हिंदू विरासत माह की शुरुआत पर हुआ है। सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास, एफबीआई को भी जानकारी हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बताया कि घटना की निगरानी कैमरे की फुटेज उपलब्ध है और अधिकारी उसकी समीक्षा कर रहे हैं। संगठन ने कहा कि मामले की जानकारी एफबीआई और नागरिक अधिकार अधिकारियों को भी दी जा रही है। एचएएफ ने बताया कि वह मंदिर के नेतृत्व के संपर्क में है और जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की पेशकश की है। संगठन ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों से



आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने को प्राथमिकता देने की अपील की है।

क्या धार्मिक नफरत से जुड़ा है मामला : एचएएफ ने घटना को संभावित हेट क्राइम बताया है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि हमले के पीछे धार्मिक मकसद ही था। किसी संदिग्ध का नाम भी सामने नहीं

आया है और गिरफ्तारी की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। संगठन ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारी एजेंसियों से भारतीय और हिंदू-अमेरिकी समुदायों के खिलाफ कथित नफरत भरी बयानबाजी की सार्वजनिक रूप से निंदा करने की भी अपील की है।

पुजारी और श्रद्धालु मंदिर के अंदर मौजूद थे : कोर्पोलेशन

ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका के मुताबिक, ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में स्थित मंदिर पर ईंटें फेंकी गईं, जिससे उसकी खिड़कियां टूट गईं। घटना के समय मंदिर के अंदर पुजारी और श्रद्धालु मौजूद थे। हालांकि, संगठन ने यह जानकारी नहीं दी कि हमले में कोई घायल हुआ या नहीं। साथ ही, कितनी खिड़कियां टूटीं, इसका भी सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया है।

मेयर से निंदा और पुलिस से कार्रवाई की मांग : कोहना ने रिचमंड हाइट्स की मेयर किम थॉमस और स्थानीय प्रशासन से घटना की निंदा करने की मांग की है। संगठन ने पुलिस से मामले में तेजी से कार्रवाई करने और

जिम्मेदार लोगों को पकड़ने की अपील की। यह घटना ऐसे समय हुई है जब ओहायो में हिंदू समुदाय हिंदू हैरिटेज मंथ की शुरुआत कर रहा है।

पहले भी मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं : कोहना ने अमेरिका में हिंदू समुदाय और मंदिरों से जुड़ी पहले की कुछ घटनाओं का रिकॉर्ड भी जारी किया है। इसके अनुसार, अगस्त 2022 में न्यूयॉर्क के क्वींस स्थित श्री तुलसी मंदिर में महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया था। दिसंबर 2023 में कैलिफोर्निया के नेवाक स्थित एसएमवीएस के स्वामीनारायण मंदिर में आपत्तिजनक ग्रेफिटी की घटना सामने आई थी।



सर्व पितृ अमावस्या पर कब, कितने और कहाँ जलाएं दीये?

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है।

अश्विन माह की अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। सर्व पितृ अमावस्या का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। ज्योतिष एवं धर्म शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख मिलता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया गया पितरों के निमित्त श्राद्ध कर्म पितरों को भगवान विष्णु के धाम वैकुण्ठ में स्थान दिलाता है। इसके अलावा, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया जलाना भी बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर सर्व पितृ अमावस्या के दिन कितने दीये जलाने चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि किस दिशा या किन स्थानों पर दीये जलाना शुभ है एवं किस समय जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कितने दीये जलाने चाहिए?

शास्त्रों में वर्णित जानकारी के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त 11 और 1 चौमुखी दीया भगवान विष्णु के निमित्त जलाना चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर कहाँ दीये जलाने चाहिए?

पीपल के पेड़, घर की दक्षिण दिशा, घर का मुख्य द्वार, चौराहा, घर की छत और पवित्र नदी के तट पर सर्व पितृ अमावस्या के दिन दीये जलाने चाहिए।

सर्व पितृ अमावस्या पर किस समय दीये जलाने चाहिए?

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दीया दोपहर के समय जलाएं। वहीं, इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त दीया ब्रह्म मुहूर्त में जलाना शुभ है।

सर्व पितृ अमावस्या पर कौन सा दीया जलाना चाहिए?

पितरों के लिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन सरसों के तेल में तिल मिलाकर दीया जलाएं। भगवान विष्णु के समक्ष घी का चौमुखी दीपक प्रज्वलित करें।

सर्व पितृ अमावस्या पर दीया जलाने के क्या लाभ हैं?

इस दिन पितरों के लिए दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं। भगवान विष्णु के समक्ष दीया जलाने से पितृ दोष में राहत मिलती है।



श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

पंचांग के हिसाब से अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन सभी प्रकार के श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विशेष महत्व है। कहते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सर्व पितृ अमावस्या पर किए गए पिंडदान से पितृ दोष का निवारण होता है। सर्व पितृ अमावस्या का दिन सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। पिंडदान में तिल, जल और कुश आदि का उपयोग किया जाता है। श्राद्ध में अपने पूर्वजों के नाम पर भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप अन्न, वस्त्र, धन आदि दान कर सकते हैं। इस दिन मंदिर जाकर भगवान विष्णु और पितरों का पूजन किया जाता है। अब ऐसे में इस साल सर्व पितृ अमावस्या कब है, पितरों का श्राद्ध किस समय करना शुभ माना जाता है। साथ ही इस अमावस्या तिथि का महत्व क्या है। शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात् 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुनर्भोजन अर्थात् एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।



सर्व पितृ अमावस्या का महत्व

सर्व पितृ अमावस्या के दिन स्नान और दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, श्राद्ध आदि करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-शांति और समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।



हिंदू धर्म में पितृपक्ष का महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान पितरों की पूजा करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कुंडली में पितृदोष है, तो व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पितृपक्ष में विधिवत रूप से श्राद्ध कर्म, तर्पण और पिंडदान करने से लाभ हो सकता है। आपको बता दें, पितृपक्ष में कई बार जातक नियमित रूप श्राद्ध नहीं कर पाते हैं। इसलिए सर्व पितृ अमावस्या के दिन करने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। पितृपक्ष में कई तरह के पिंड बनाए जाते हैं। जिससे व्यक्ति को लाभ हो सकता है। अब ऐसे में पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है।

पितरों को खीर का पिंड देने का महत्व क्या है?

पितरों को खीर का पिंड देना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, विशेषकर पितृ पक्ष के दौरान। यह माना जाता है कि इस अनुष्ठान से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद मिलती है। खीर को एक पवित्र भोजन माना जाता है। इसे देवताओं को भी अर्पित किया जाता है। पितरों को खीर देने से यह विश्वास होता है कि वे इस पवित्र भोजन का आनंद लेते हैं। खीर में चावल और

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का विशेष महत्व है। इस दौरान पितरों की पूजा विधिवत रूप से करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा घर-परिवार के सभी सदस्यों पर पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि सर्व पितृ अमावस्या के दिन अगर विधिवत रूप से दान-पुण्य किया जाए, तो पूजा का सीधा फल पूर्वजों तक पहुंचता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

पितृपक्ष में पितरों को खीर का पिंड देने का क्या है महत्व?

दूध दोनों होते हैं। चावल समृद्धि और प्रचुरता का प्रतीक है, जबकि दूध शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए, खीर को शक्ति और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। आपको बता दें, खीर मीठा होता है और माना जाता है कि यह पितरों को तुष्ट करता है। इतना ही नहीं, खीर को परिवार के सदस्यों के बीच आत्मिक संबंध को मजबूत करने का भी प्रतीक माना जाता है।

खीर के पिंड से मिलता है पितृ ऋण से छुटकारा

हिंदू धर्म में पितृ ऋण का बहुत महत्व होता है। माना जाता है कि माता-पिता ने हमें जीवन दिया है और हमें पालन-पोषण किया है, इसलिए हमें उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पितरों को खीर का पिंड देकर हम इस ऋण का कुछ अंश चुकाते हैं। पितरों को खुश करके हमें उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। माना जाता है कि पितरों का आशीर्वाद हमारे जीवन में सुख और समृद्धि लाता है। पितरों को खीर का पिंड देकर हम उनकी आत्मा को शांति प्रदान करते हैं और उन्हें मोक्ष प्राप्त करने में मदद करते हैं।



सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें इन चीजों का दान, पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार अश्विन माह की अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विधिवत रूप से तर्पण किया जाता है। ताकि उन्हें मोक्ष प्राप्ति हो सके।

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या के लिए पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध करना बेहद शुभ माना जाता है। अब ऐसे में सर्व पितृ अमावस्या के दिन किन चीजों का दान करना शुभ माना जाता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें तिल का दान

हिंदू धर्म में तिल को पितरों का सबसे प्रिय अन्न माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि तिल का दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। तिल का दान पितृ दोष को दूर करने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है। तिल का दान करने से घर में शांति और समृद्धि आती है। यह माना जाता है कि तिल का दान करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सफलता मिलती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें पिंडदान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन पिंडदान करने से व्यक्ति को पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पिंडदान करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि आप अपने पितरों का ध्यान जरूर करें। ऐसा करने से जादूकों को पितृदोष से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही पितरों के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन करें वस्त्र दान

सर्व पितृ अमावस्या के दिन वस्त्र का दान करना उत्तम फलदायी माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस अमावस्या तिथि के दिन जो व्यक्ति वस्त्र दान करता है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दरिद्रता से भी छुटकारा मिल जाता है। बता दें, वस्त्र दान करने से पितर प्रसन्न होते हैं और वे अपने वंश पर आशीर्वाद बरसाते हैं।



आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवता कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते हैं।



हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन

कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सवाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जगगी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की संरचना और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती हैं।

शास्त्रों और पुराणों में बताए

चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते हैं।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं। हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।



का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है। लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है। क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली

अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं। प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है। लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।



रंगोत्सव में दिखी उत्तराखंड समेत देशभर की समृद्ध परंपराओं की झलक

जनजातीय समाज के सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

देहरादून। खटीमा में आयोजित तीन दिवसीय उत्तराखंड आदि रंगोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने दीप प्रज्वलित कर रंगोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य, लोकसंगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय विरासत की समृद्ध झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरन रिजजु तथा केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम को पौधा एवं महानगा प्रताप की प्रतिमा भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने



फिल्म ह्यहनुमान अंशहू के कलाकारों को भी मंच पर शुभकामनाएं देते हुए पौधा, भगवान हनुमान की गदा एवं नमो करौली बाबा की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया।

आदि रंगोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री श्री

पुष्कर सिंह धामी स्वयं भी पारंपरिक सांस्कृतिक रंग में नजर आए। उन्होंने कलाकारों के साथ थिरकते हुए उनका उत्साहवर्धन किया तथा ढोल बजाकर जनजातीय संस्कृति के प्रति अपना जुड़ाव

और सम्मान व्यक्त किया। मुख्यमंत्री के इस सहज अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों और कलाकारों का विशेष उत्साह बढ़ाया।

जनजातीय संस्कृति और गौरव का प्रतीक है आदि रंगोत्सव : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड आदि रंगोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर लोगों के बीच उपस्थित होना उनके लिए गौरव का क्षण है। यह रंगोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और जनजातीय समाज के गौरव का उत्सव है। ऐसे आयोजन विभिन्न जनजातीय समुदायों की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत को देश और दुनिया के सामने रखने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम का आवासीय एकलव्य विद्यालयों के विकास में सहयोग तथा खटीमा स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए 10

करोड़ रुपये की घोषणा के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री किरन रिजजु एवं श्री जुएल ओराम से पिथौरागढ़ क्षेत्र में एक आवासीय एकलव्य विद्यालय स्थापित किए जाने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री जुएल ओराम लंबे समय से जनजातीय समाज के हितों एवं कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में देश के जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, विकास और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज रोड शो के दौरान खटीमा में उन्हें विविध संस्कृतियों और परंपराओं के अनेक रंग देखने को मिले। खटीमा अपने आप में एक मिनी इंडिया है, जहां विभिन्न समुदायों की संस्कृति और परंपराएं एक साथ दिखाई देती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं से जोड़कर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक

पहचान और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए।

जनजातीय परिवारों को आवास एवं मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अटल आवास योजना में आय सीमा को व्यावहारिक बनाया है तथा आवास निर्माण की लागत में भी वृद्धि की है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सके। ऊष्म सिंह नगर जनपद में इस योजना के अंतर्गत 3 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत भी बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष आवास के लिए प्राप्त आवेदनों में लगभग 28 प्रतिशत आवेदन जनजातीय समाज के परिवारों के हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जम्मन योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 824 तथा द्वितीय चरण में 101 आवासों का निर्माण किया जा चुका है।

धर्मपुर धराशायी, सिर्फ ज्वालापुर में बड़े वोट



देहरादून। उत्तराखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्कफ) के बाद जारी मतदाता सूची ने प्रदेश के राजनीतिक और चुनावी समीकरणों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले प्रदेश की 70 विधानसभा सीटों में से 69 सीटों पर मतदाताओं की संख्या कम हुई है। प्रदेश में

सिर्फ हरिद्वार की ज्वालापुर विधानसभा सीट ऐसी रही, जहां मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मतदाता सूची में सबसे बड़ा बदलाव देहरादून जिले की धर्मपुर विधानसभा सीट पर सामने आया है। यहां वर्ष 2022 के मुकाबले 57,318 मतदाता कम हुए हैं। इसके बाद

देहरादून कैंट में 46,346, ऋषिकेश में 43,299, रायपुर में 39,989, राजपुर रोड में 39,046 और मसूरी में 34,113 मतदाताओं की कमी दर्ज की गई है। इस तरह देहरादून जिले की कई विधानसभा सीटों पर मतदाताओं की संख्या में भारी गिरावट सामने आई है।

प्रदेश में करीब 11 लाख मतदाताओं की कमी

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022 में उत्तराखंड में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 82.66 लाख थी। स्कफ के बाद अंतिम मतदाता सूची में यह संख्या घटकर करीब 71.58 लाख रह गई। यानी प्रदेशभर में लगभग 11 लाख से अधिक मतदाताओं की संख्या कम हुई है। मतदाता सूची में यह बदलाव ऐसे समय सामने आया है, जब प्रदेश की राजनीति में आगामी चुनावों को लेकर तैयारियां तेज हैं। इसी वजह से मतदाताओं के नाम कम होने से राजनीतिक दलों की बृथवार रणनीति और चुनावी गणित पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गंगोलीहाट में जर्जर भवनों में पढ़ने को मजबूर नौनिहाल

गंगोलीहाट (पिथौरागढ़)। विकासखंड गंगोलीहाट में शिक्षा व्यवस्था बहाल स्थिति में पहुंच गई है। क्षेत्र के 52 प्राथमिक विद्यालय, सात उच्च प्राथमिक विद्यालय और 19 इंटर कॉलेजों के भवन लंबे समय से जीर्ण-शीर्ण हालत में हैं। इन जर्जर भवनों में बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। स्थिति इतनी गंभीर है कि जब तक बच्चे स्कूल से घर नहीं लौटते, अभिभावक लगातार अनहोनी की आशंका में चिंतित रहते हैं।अभावों से जूझ रहे इन स्कूलों में प्राथमिक विद्यालय ठठोली, चौना, गोबरगाड़ा, मातोली, खासीकोट-1, तिमाणी, किमतोला, जीआईसी गांधीनगर, गंगोलीहाट, पिलखी, गणाई गंगोली, नावल, शेषाघातमानौली, डंडे और डोबालखेत आदि शामिल हैं। सबसे दयनीय स्थिति जीजीआईसी गंगोलीहाट की है जहां नए भवन के नवीनीकरण के लिए मुख्यमंत्री की घोषणा के दो साल बाद भी बजट नहीं मिला है।

अभिभावकों के बार-बार प्रदर्शन और मांग के बावजूद शिक्षा विभाग का कहना है कि शासन को अवगत करने के बाद भी धन अव्युक्त नहीं हो रहा है। पिछले वर्ष केवल प्राथमिक विद्यालय अनरगांव और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुनतोला के लिए ही मरम्मत या अतिरिक्त कक्ष का धन मिला था जिससे व्यवस्था में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

गंगोलीहाट महाविद्यालय के छात्रों ने सड़क के लिए किया प्रदर्शन

गंगोलीहाट(पिथौरागढ़)। छात्रों ने महाविद्यालय तक सड़क निर्माण और स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाएं शुरू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो वे आंदोलन करेंगे।

छात्रों ने बताया कि महाविद्यालय का नया भवन दो साल पहले ही बनकर तैयार हो गया है। इसे बनाने में करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं। हालांकि, सड़क न होने के कारण इसमें कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं। वर्तमान में महाविद्यालय में केवल बीए की पढ़ाई हो रही है, जिसमें 574 छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं। स्नातकोत्तर कक्षाएं शुरू न होने से छात्रों को दूरे शहरों में पलायन करना पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने प्रशासन से जल्द उचित निर्णय लेने की अपील की।

बड़ियाठ से जानलेवा हमला करने वाला हल्लानी से गिरफ्तार

पिथौरागढ़। बीते 25 अगस्त को थल में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के आरोपी बलवंत सिंह को पुलिस ने हल्लानी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किया है।मामले के अनुसार, रसैपाट के कुसैल गांव के बालम सिंह ने पुलिस में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि उनके गांव के बलवंत सिंह ने उन पर बड़ियाठ से हमला कर जान से मारने का प्रयास किया। हमले में बचाव के दौरान पीड़ित का हाथ भी कट गया था। आरोपी घटना को अंजाम देकर भाग गया था। पुलिस ने बलवंत सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। सीओ गोविंद बल्लभ जोशी ने बताया कि टीम ने आरोपी को हल्लानी से पकड़ा। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

सड़क से नीचे उतरी कार

झुलाघाट (पिथौरागढ़)। राजकीय इंटर कॉलेज कमलेश्वर जा रहे शिक्षकों की कार शनिवार को सड़क से नीचे उतर गई। संयोग से तीनों शिक्षक बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार वज्झा की ओर से मड़गांव होते हुए कमलेश्वर इंटर कॉलेज जा रही कार को शिक्षक अर्जुन सिंह धौनी चला रहे थे। विद्यालय से करीब तीन किलोमीटर पहले बडारी गांव के पास चढ़ाई पर कार अनियंत्रित होकर पीछे की ओर आ गई और सड़क से खाई की तरफ उतर गई। संयोग से कारण खाई में गिरने से बच गई। ऐसे में अर्जुन सिंह धौनी के साथ दो शिक्षिकाएं जया बिष्ट और भावना जोशी सुरक्षित बच गईं। हादसे में तीनों शिक्षकों को मामूली चोटें आई हैं।

वीकेंड पर नगर से देहात तक दून पुलिस की नाईट स्ट्राइक, 1809 वाहन चेक

देहरादून। वीकेंड के दौरान आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दून पुलिस ने 3-4 अक्टूबर की रात जनपद के नगर से लेकर देहात क्षेत्र तक व्यापक ह्यूऑपरेशन नाईट स्ट्राइकह चलाया। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने देर रात तक सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 1809 वाहनों की चेकिंग की तथा रात में आवामगन कर रहे 1900 से अधिक व्यक्तियों से पूछताछ की। संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर 35 संदिग्ध व्यक्तियों को थाने लाकर पूछताछ एवं सत्यापन की कार्रवाई की गई। सत्यापन के बाद संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध 81 पुलिस एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

होटल, बार और पब में भी औचक चेकिंग नाईट स्ट्राइक के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में स्थित होटल, बार, पब,



रेस्टोरेंट एवं अन्य प्रतिष्ठानों में औचक चेकिंग की। पुलिस द्वारा संचालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई अभियान के दौरान शराब के नशे में नजर चलाने वाले 18 वाहन चालकों को गिरफ्तार किया गया तथा उनके वाहनों को सीज किया

गया। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 30 वाहन चालकों के एमवी एक्ट के तहत चालान किए गए और 16,000 का जुर्माना वसूला गया वहीं, यातायात नियमों के उल्लंघन पर 65 वाहन चालकों के चालान माननीय न्यायालय के लिए भेजे गए, जबकि 23 वाहनों को सीज किया गया।

बालिका विद्यालयों में 55 शिक्षक पद रिक्त

चंपावत। चंपावत जिले के बालिका विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है जिससे करीब 2000 छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। प्रदेश सरकार बालिकाओं के जन्म, स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसके बावजूद जिले के एक हाईस्कूल और सात इंटर कॉलेजों में 140 स्वीकृत पदों में से 55 पद वर्षों से खाली हैं।

चंपावत, बारकोट, लोहाघाट और पाटी विकासखंडों में कुल सात राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और एक राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में कक्षा छह से 12वीं तक 2050 बालिकाएं अध्ययनरत हैं। शिक्षकों की कमी के कारण इन सभी विद्यालयों में पढ़ाई व्यवस्था के तहत चल रही है। इससे छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

विद्यालयों में छात्राओं की संख्या में भी लगातार गिरावट आ रही है। प्रदेश सरकार एक और बालिकाओं के जन्म, स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही है। वहीं, दूसरी ओर चंपावत जिले में बालिकाओं के लिए संचालित विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव बना हुआ है। यह स्थिति चिंताजनक है।

सहायक अध्यापकों के 78 पद स्वीकृत, 62 पर शिक्षक कार्यरत

जिले के बालिका विद्यालयों में एलटी संवर्ग में सहायक अध्यापकों के 78 पद स्वीकृत हैं। इनके सापेक्ष 62 शिक्षक कार्यरत हैं, जिससे 14 पद रिक्त चल रहे हैं। प्रवक्ता संवर्ग में स्थिति और भी खराब है। इस संवर्ग में प्रवक्ताओं के 68 पद स्वीकृत हैं लेकिन केवल 23 प्रवक्ता कार्यरत हैं। इस प्रकार प्रवक्ता संवर्ग में 44 पद वर्षों से खाली पड़े हैं।

दो वर्षों में 150 बालिकाएं कम हुईं

जिला मुख्यालय स्थित पीएमश्री बालिका इंटर कॉलेज चंपावत भी शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है। अभिभावकों ने छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए पीटीए के तहत चार शिक्षकों को नियुक्त किया है। प्रभारी प्रधानाचार्य भुवनेश्वरी फोनिया ने बताया कि पिछले दो वर्षों में विद्यालय में 150 से अधिक छात्राओं की संख्या कम हुई है।

विद्यालय में प्रवक्ताओं के 10 पद स्वीकृत हैं लेकिन वर्तमान में केवल गृह विज्ञान विषय में एक स्थायी प्रवक्ता कार्यरत हैं। अन्य विषयों में अध्यापन कार्य व्यवस्था के तहत ही कराया जा रहा है।

नंदा देवी बेस कैंप पहुंचे स्काउट्स के जवान

पिथौरागढ़:पिथौरागढ़ में भारतीय सेना की कुमाऊं स्काउट्स की 20 सदस्यीय टीम ने 17 सितंबर से 1अक्तूबर 2026 तक नंदा देवी बेस कैंप का चुनौतीपूर्ण अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया। टीम ने कठिन हिमालयी भूभाग और विपरीत मौसम परिस्थितियों के बीच करीब 55 किलोमीटर की एक तरफ की दूरी तय कर 5,550 मीटर यानी 18,300 फीट की अधिकतम ऊंचाई तक पहुंच बनाई।

अभियान के दौरान जवानों ने दुर्गम हिमालयी गांवों और दूरस्थ समुदायों से संवाद किया। स्थानीय लोगों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां आयोजित करने के साथ ही वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। टीम ने हिमालय के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया। यह अभियान साहस, सेवा और पर्यावरण संरक्षण के समन्वय का उदाहरण बना।



कुमाऊं स्काउट्स ने अभियान के माध्यम से भारतीय सेना की साहसिक भावना, जनसेवा और

हिमालय व उसके लोगों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

नशे के खिलाफ दून पुलिस का जागरूकता अभियान



देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशों पर दून पुलिस द्वारा जनपदभर में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को कोतवाली नगर देहरादून में पुलिस टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने थाने में उपस्थित आमजन को नशे से होने वाले सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से

समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई। इस दौरान विशेष रूप से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग से जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई कि यदि उनके आसपास नशे के अवैध कारोबार से संबंधित कोई जानकारी सामने आती है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध नशे के कारोबार में सलियत व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भुड़ी में 5 अक्टूबर को लगेगा विशेष शिविर

देहरादून, शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड सहसपुर की ग्राम पंचायत भुड़ी में 5 अक्टूबर को विशेष बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे पंचायत घर के सामने आयोजित होगा। शिविर का शुभारंभ सहसपुर विधानसभा के विधायक एवं क्षेत्र पंचायत सहसपुर के प्रमुख द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष एवं प्रभारी दायित्वधारी मंत्री विश्वास डाबर की उपस्थिति भी प्रस्तावित है।

विभागीय स्टॉलों पर मिलेगी योजनाओं की जानकारी

शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उनकी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

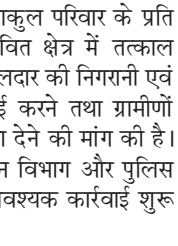
प्रशासन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं की पहुंच को और मजबूत करना तथा पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। शिविर के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी करने और विभागीय बैनर एवं स्टॉल लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

गंगोलीहाट में गुलदार के हमले में 10 वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत



पिथौरागढ़। गंगोलीहाट क्षेत्र के भंडारी गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई। घर के आंगन में खेल रहे 10 वर्षीय मासूम प्रियांशु को गुलदार उठाकर ले गया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर गुलदार बच्चे को घर के नीचे जंगल की ओर छोड़कर भाग गया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। घटना की पुष्टि स्थानीय रिपोर्टों में की गई है।घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार की सन्निप्ता बनी हुई है और ऐसी परिस्थितियों में बच्चों तथा ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की जरूरत है।

मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। जिस आंगन में कुछ समय पहले तक बच्चे की किलकारियां गुंजती थीं, वहां अब मातम पसरा है। इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष और ग्रामीणों की सुरक्षा का सवाल सामने ला दिया है। उत्तराखंड त्रैति दल ने घटना पर



बच्चों का भविष्य दलदल में, जिम्मेदार बने बेपरवाह

गरुड़ (वागेश्वर)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बंड-कंस्यारी मोटरमार्ग बारिश के बाद पूरी तरह दलदल में तब्दील हो चुका है। सड़क पर पसरे भारी कीचड़ और जलभराव के चलते वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल चलने वाले राहगीरों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों की परेशानी बढेद बढ़ गई है।हालात इतने बहतर है कि छोटे-छोटे नौनिहालों को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को उन्हें गोद में उठाकर कीचड़ भरे रास्ते से निकालना पड़ रहा है। बंड के ग्राम प्रधान राजकुमार ने बताया कि बारिश के बाद इस निर्मोणाधीन मोटरमार्ग की हालत पैदल चलने लायक भी नहीं बची है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79



राहुल ने धोनी की बराबरी की, युवराज का रिकॉर्ड तोड़ा

न्यू चंडीगढ़। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में दमदार बल्लेबाजी की। राहुल को इस सीरीज में पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला और उन्होंने जमकर गेंदबाजों की धुनाई की। राहुल ने नाबाद शतक लगाया जिससे भारत बड़ा लक्ष्य देने में सफल रहा। इसके साथ ही राहुल ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

भारत ने वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे मैच में 352 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और 50 ओवर में सात विकेट पर 351 रन बनाए। भारत के लिए केएल राहुल ने नाबाद शतक लगाया,

जबकि रोहित शर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने शुभमन गिल और विराट कोहली के विकेट जल्द गंवा दिए थे।

राहुल ने संभाला मोर्चा

शुरुआती झटकों के बाद रोहित शर्मा और ऋतुराज ने पारी को संभाला। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। रोहित हालांकि, शतक पूरा नहीं कर सके और 92 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, ऋतुराज ने 57 रनों की पारी खेली। इसके बाद केएल राहुल ने मोर्चा संभाला ने शानदार शतक जड़ा। इस सीरीज में राहुल को पहली बार बल्लेबाजी का मौका मिला था और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। राहुल 87 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 129 रन बनाए। वहीं, नमन धीर ने 30, अंशुल कंबोज ने 17 और नीतीश रेड्डी ने 9 रन बनाए। गुरनूर बरार 8 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन

पांचवें स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए लगाया चौथा शतक

केएल राहुल ने भारत के लिए पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वनडे शतकों की खास सूची में धोनी की बराबरी कर ली है। राहुल अब धोनी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं, जिनके नाम इस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए चार शतक हैं। मुल्लानपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 87 गेंदों पर नाबाद 129 रनों की तूफानी पारी खेली। भारत के लिए पांचवें नंबर के बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 99 मैचों में सात शतक जड़े हैं।

सील्स को तीन विकेट मिले, जबकि कीमो पॉल को दो और गुडाकेश मोती को एक विकेट मिला। इसके अलावा राहुल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में भारत के पांचवें नंबर के बल्लेबाज द्वारा सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का युवराज सिंह का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। राहुल ने युवराज के 2005 में कोलंबो में बनाए गए 110 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। राहुल ने अपनी पारी के दौरान शुरुआत में मध्य ओवरों में क्रीज पर टिककर एंकर की भूमिका निभाई, स्ट्राइक को रोटेट किया और विरोधी गेंदबाजों की गलतियों का फायदा उठाकर बाउंड्री बटोरीं। पारी के अंतिम क्षणों में उन्होंने अपने अंदाज में गियर बदला और भारत का स्कोर 350 के पार तक पहुंचा दिया।

संक्षिप्त समाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत नई दिल्ली (एजेंसी)।

एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं। अनाहत सिंह जानती थीं कि



एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्ववाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्ववाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की मलयेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजेलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी।

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी को आईजीयू देगा 10 लाख, सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक



जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अदिति अशोक और दीक्षा डामर को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

एशियन गेम्स -2026 का हुआ भव्य समापन



कतर को सौंपी गई मेजबानी, भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान

आइची नागोया, एजेंसी। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखाईं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई।

नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रेप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी। भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई,



21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाने में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

दोह को सौंपी गई मेजबानी की कमान

आइची-नागोया एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान अगले एशियाई खेलों के मेजबान को भी आधिकारिक तौर पर कमान सौंपी गई। समापन समारोह के आखिर में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थान को झंडा और मशाल

सौंपी गई। इसके साथ ही कतर का राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। एशियाई खेलों का अगला संस्करण 2030 में दोहा, कतर में आयोजित होगा। समारोह में आइची-नागोया से दोहा को एशियाई खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी औपचारिक रूप से सौंपी गई। नागोया में अंतिम जश्न के साथ 16 दिनों तक चले खेलों का समापन हो गया और अब नजरें एशियाई खेल 2030 पर टिकी होंगी।

दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाने में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
तीरंदाजी	5	2	2	9
एथलेटिक्स	1	9	14	24
बैडमिंटन	0	0	1	1
बॉक्सिंग	3	0	3	6
क्रिकेट	2	0	0	2
गोल्फ	1	1	0	2
हॉकी	2	0	0	2
कबड्डी	2	0	0	2
कुश्ती	0	0	1	1
मार्शल आर्ट्स	0	0	1	1
रोइंग	0	0	1	1
सैलिंग	0	1	2	3
सेपेकटकरा	0	0	1	1
शूटिंग	3	8	4	15
सॉफ्ट टेनिस	0	0	1	1
स्वदेश	0	2	3	5
टेबल टेनिस	0	0	1	1
वेटलिफ्टिंग	0	1	0	1
कुश्ती	2	2	2	6
दुश्	0	1	0	1

विश्वकप के लिए अब नहीं होगा प्रयोग: गिल



चंडीगढ़। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की, लेकिन कप्तान शुभमन गिल के लिए यह सीरीज सिर्फ जीत तक सीमित नहीं रही। टीम को लगातार चोटों और व्यस्त कार्यक्रम के कारण अपनी पूरी ताकत वाली प्लेइंग-11 उतारने का मौका नहीं मिला। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के कारण जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे नियमित खिलाड़ी टीम के साथ नहीं थे। इसका असर भारतीय गेंदबाजी पर भी दिखा। दूसरे वनडे के दौरान तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी चोटिल होकर इस सूची में शामिल हो गए। गिल का मानना है कि 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए अब प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं वे सभी खिलाड़ी अगली श्रृंखला से टीम में होंगे और हम विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं उसी के साथ खेलना शुरू करना चाहते हैं।' भारत के सामने 2027 विश्व कप से पहले सीमित संख्या में ही वनडे मुकाबले हैं। ऐसे में गिल चाहते हैं कि जिन खिलाड़ियों के विश्व कप टीम में होने की संभावना है,

उन्हें लगातार साथ खेलने का मौका मिले। कप्तान ने माना कि मुख्य गेंदबाजों की गैरमौजूदगी टीम के लिए दुर्भाग्यपूर्ण रही। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि इससे नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिला। गिल ने कहा, 'चोटों और अन्य मुकाबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे।'

विकेट नहीं मिलने से बढ़ी परेशानी

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीनों वनडे में भारतीय गेंदबाज शुरुआती पावरप्ले के दौरान नियमित रूप से विकेट हासिल नहीं कर सके। तीसरे वनडे में भी इसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने नाबाद 162 रन की शानदार पारी खेली और 352 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम के लिए यह हार इसलिए भी निराशाजनक रही क्योंकि बल्लेबाजों ने बड़ा स्कोर खड़ा किया था। लेकिन गेंदबाजों में शुरुआती सफलता नहीं मिलने से वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करने का भरोसा मिला।